कानपुर, शुक्रवार, 06 मार्च, 2026
वर्षः 03, अंकः 60, पृष्ठः 8+4

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com
Website: www.swarajindianews.com

स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन समाचार पत्र

इनसाइड ईरान का सख्त रुख युद्धविराम से इनकार ...>Pg12

शिक्षकों को सीखनी होगी 'कृतिम बुद्धि' ..>Pg03

मूल्यः 2 ₹

यूपीएससी सिविल का रिजल्ट आया, अनुज अग्निहोत्री ऑल इंडिया टॉपर

स्वराज इंडिया ब्यूरो

नई दिल्ली। संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) ने शुक्रवार को सिविल सेवा परीक्षा-2025 का अंतिम परिणाम घोषित कर दिया। इस प्रतिष्ठित परीक्षा में अनुज अग्निहोत्री ने ऑल इंडिया रैंक-1 हासिल कर देश में पहला स्थान प्राप्त किया है। उनके बाद राजेश्वरी सुवे एम दूसरे और आकांश धुल तीसरे स्थान पर रहे।

➪ 958 अभ्यर्थी सफल, राजेश्वरी सुवे एम दूसरे और आकांश धुल तीसरे स्थान पर

आयोग द्वारा जारी परिणाम के अनुसार कुल 958 अभ्यर्थियों को विभिन्न अखिल भारतीय और केंद्रीय सेवाओं के लिए चयनित किया गया है। इनमें भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS), भारतीय विदेश सेवा (IFS), भारतीय पुलिस सेवा (IPS) और अन्य ग्रुप 'ए' व 'बी' सेवाएं शामिल हैं।

यूपीएससी के अनुसार केंद्र सरकार ने इस परीक्षा के माध्यम से कुल 1087 पदों पर भर्ती का प्रस्ताव भेजा था। अंतिम सूची में शामिल उम्मीदवारों की नियुक्ति उनकी रैंक, सेवा व कैडर वरीयता के आधार पर की जाएगी। आयोग ने बताया कि चयनित उम्मीदवारों में से 348 अभ्यर्थियों की उम्मीदवारी फिलहाल प्रोविजनल रखी गई है।

सिविल सेवा परीक्षा देश की सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं में से एक है, जिसे हर वर्ष तीन चरणों–प्रारंभिक परीक्षा (प्रिलिम्स), मुख्य परीक्षा (मेन्स) और इंटरव्यू के माध्यम से आयोजित किया जाता है। वर्ष 2025 की प्रारंभिक परीक्षा मई में हुई थी, जबकि मुख्य परीक्षा अगस्त में आयोजित की गई। इसके बाद जनवरी से फरवरी 2026 के बीच इंटरव्यू प्रक्रिया पूरी हुई।

टॉप-10 में अनुज अग्निहोत्री के अलावा राजेश्वरी सुवे एम, आकांश धुल, राघव झुनझुनवाला, इशान भटनागर, जिनिया अरोरा, ए.आर. राजा मोहाइदीन, पक्षल सेक्रेट्री, आस्था जैन और उज्ज्वल प्रियांक शामिल हैं। यूपीएससी की ओर से बताया गया कि अभ्यर्थी आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपना परिणाम देख सकते हैं। उम्मीदवारों के विस्तृत अंक परिणाम घोषित होने के लगभग 15 दिन बाद वेबसाइट पर उपलब्ध कराए जाएंगे। सिविल सेवा परीक्षा में सफलता हासिल करने वाले अभ्यर्थी अब प्रशिक्षण के बाद देश की प्रशासनिक व्यवस्था में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभालेंगे।

असम में सुखोई-30 MKI फाइटर जेट क्रैश, दो पायलट शहीद

प्रशिक्षण मिशन पर जोरहाट एयरबेस से उड़ा था विमान, शाम 7:42 बजे टूटा संपर्क

स्वराज इंडिया न्यूज डेस्क

दिसपुर। असम के कार्बी आंगलोंग जिले में भारतीय वायुसेना का एक अत्याधुनिक सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में विमान में सवार दोनों पायलटों की दर्दनाक मौत हो गई। भारतीय वायुसेना ने शुक्रवार को इस दुर्घटना की आधिकारिक पुष्टि करते हुए बताया कि शहीद पायलटों की पहचान स्क्वाड्रन लीडर अनुज और फ्लाइट लेफ्टिनेंट पुरवेश दुरगकर के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार यह लड़ाकू विमान नियमित प्रशिक्षण मिशन पर गुरुवार शाम जोरहाट एयरबेस से उड़ान भरकर निकला था। उड़ान के कुछ समय बाद शाम करीब 7 बजकर 42 मिनट पर विमान का ग्राउंड कंट्रोल से अंतिम संपर्क हुआ। इसके बाद अचानक विमान रडार से गायब हो गया, जिससे वायुसेना और स्थानीय प्रशासन में हड़कंप मच गया।

विमान से संपर्क टूटने के बाद भारतीय वायुसेना और स्थानीय प्रशासन की संयुक्त टीमों ने तत्काल खोज और बचाव अभियान शुरू किया। रातभर चले अभियान के बाद शुक्रवार सुबह यह पता चला कि विमान जोरहाट से करीब 60 किलोमीटर दूर कार्बी आंगलोंग जिले के दुर्गम पहाड़ी इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया है।

दुर्घटनास्थल पर पहुंची टीमों को विमान का मलबा बिखरा हुआ मिला। क्षेत्र घने जंगलों और ऊंचे-नीचे पहाड़ी भूभाग वाला होने के कारण राहत और बचाव कार्य में काफी मुश्किलें आईं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार हादसा इतना भीषण था कि विमान में सवार दोनों पायलटों की मौके पर ही मौत हो गई।

भारतीय वायुसेना ने अपने आधिकारिक बयान में शहीद पायलटों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि दोनों अधिकारी अत्यंत कुशल और अनुभवी थे तथा नियमित प्रशिक्षण मिशन का हिस्सा थे। वायुसेना ने हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी के आदेश दे दिए हैं। जांच में तकनीकी खराबी, मौसम और अन्य संभावित कारणों की जांच की जाएगी।

स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने भी दुर्घटनास्थल के आसपास के इलाके को घेर लिया है ताकि जांच में किसी प्रकार की बाधा न आए। साथ ही मलबे को सुरक्षित रखने और तकनीकी टीमों द्वारा साक्ष्य जुटाने का काम जारी है।

सुखोई-30 एमकेआई भारतीय वायुसेना का सबसे शक्तिशाली और बहुउद्देश्यीय लड़ाकू विमान माना जाता है। यह लंबी दूरी तक मार करने और हवा से हवा तथा हवा से जमीन पर हमला करने में सक्षम है। रूस और भारत के संयुक्त सहयोग से विकसित इस विमान को 2000 के दशक की शुरुआत में भारतीय वायुसेना के बेड़े में शामिल किया गया था। वर्तमान समय में भारतीय वायुसेना के पास सुखोई-30 एमकेआई के दो सौ से अधिक विमान सेवा में हैं, जो देश की हवाई सुरक्षा की रीढ़ माने जाते हैं। हालांकि अत्याधुनिक तकनीक से लैस होने के बावजूद समय-समय पर प्रशिक्षण मिशनों के दौरान दुर्घटनाएं भी सामने आती रही हैं। इस ताजा हादसे के बाद वायुसेना ने पायलटों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। वहीं रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता जांच पूरी होने के बाद ही चल सकेगा। फिलहाल पूरे देश में इन दोनों बहादुर पायलटों के बलिदान को श्रद्धांजलि दी जा रही है।

सुखोई-30 एमकेआई से जुड़े प्रमुख हादसे

- **30 अप्रैल 2009 - राजस्थान (जैसलमेर):** भारतीय वायुसेना का Sukhoi-30MKI लड़ाकू विमान प्रशिक्षण उड़ान के दौरान क्रैश हुआ। दोनों पायलटों ने इजेक्ट किया, लेकिन एक पायलट की बाद में मौत हो गई।
- **30 नवंबर 2009 - राजस्थान (पोखरण क्षेत्र):** प्रशिक्षण मिशन के दौरान एक अन्य सुखोई-30 एमकेआई दुर्घटनाग्रस्त हुआ। दोनों पायलट सुरक्षित बाहर निकलने में सफल रहे।
- **13 दिसंबर 2011 - महाराष्ट्र (पुणे):** नियमित उड़ान के दौरान विमान क्रैश हुआ, लेकिन दोनों पायलटों ने समय रहते इजेक्ट कर अपनी जान बचा ली।
- **19 फरवरी 2013 - राजस्थान (पोखरण):** प्रशिक्षण उड़ान के दौरान सुखोई-30 एमकेआई दुर्घटनाग्रस्त हुआ। दोनों पायलट सुरक्षित रहे।
- **14 अक्टूबर 2014 - महाराष्ट्र (पुणे):** टेकऑफ के बाद विमान तकनीकी खराबी के कारण क्रैश हो गया। दोनों पायलटों ने इजेक्ट कर लिया था।
- **19 मई 2015 - असम (तेजपुर):** प्रशिक्षण उड़ान के दौरान विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ। दोनों पायलट सुरक्षित बाहर निकल गए।
- **23 मई 2017 - असम (तेजपुर):** सुखोई-30 एमकेआई के क्रैश में दोनों पायलटों की मौत हो गई।
- **2018-2020 के बीच कई हादसे:** महाराष्ट्र, राजस्थान और अरुणाचल प्रदेश में अलग-अलग घटनाओं में सुखोई-30 एमकेआई विमान दुर्घटनाग्रस्त हुए, हालांकि अधिकांश मामलों में पायलट सुरक्षित बच निकले।
- **27 जनवरी 2023 - मध्य प्रदेश (मुरैना क्षेत्र):** प्रशिक्षण मिशन के दौरान एक सुखोई-30 और मिराज-2000 विमान हादसे का शिकार हुए। एक पायलट की मौत हुई।
- **जून 2024 - महाराष्ट्र (नासिक):** प्रशिक्षण उड़ान के दौरान सुखोई-30 एमकेआई क्रैश हुआ, लेकिन दोनों पायलट सुरक्षित इजेक्ट हो गए।
- **6 मार्च 2026 - असम (कार्बी आंगलोंग):** प्रशिक्षण मिशन के दौरान सुखोई-30 एमकेआई क्रैश हुआ, जिसमें स्क्वाड्रन लीडर अनुज और फ्लाइट लेफ्टिनेंट पुरवेश दुरगकर शहीद हो गए।

नजूल जमीन विवाद

महापौर के पुत्र अमित पांडेय ने आरोपों को बताया निराधार, डीएम से निष्पक्ष जांच की मांग

अमित पांडेय ने कहा कि 4 मार्च को कुछ मीडिया प्लेटफॉर्म पर झूठी खबर प्रसारित की गई

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। सिविल लाइंस क्षेत्र में नजूल भूमि पर कथित कब्जे को लेकर चल रहे विवाद में अब नया मोड़ आ गया है। कानपुर की महापौर प्रमिला पांडे के पुत्र अमित पांडेय उर्फ बंटी ने पूरे मामले में लगाए जा रहे आरोपों को भ्रामक और निराधार बताते हुए जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह को प्रार्थना पत्र सौंपकर निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है।जिलाधिकारी को दिए गए प्रार्थना पत्र में अमित पांडेय ने कहा कि 4 मार्च को कुछ मीडिया प्लेटफॉर्म पर यह खबर प्रसारित की गई कि उन्होंने सिविल लाइंस के सेक्टर-14, ब्लॉक 14 स्थित नजूल प्लॉट संख्या 5 और 6 के हिस्से पर अवैध रूप से कब्जा करते हुए वहां कार्यालय का निर्माण, सीमेंटेड ढांचा और स्ट्रीट लाइट लगवाई है। उन्होंने इन आरोपों

को पूरी तरह असत्य और आधारहीन बताया है।

अमित पांडेय ने स्पष्ट किया कि उन्होंने न तो किसी नजूल भूमि पर कब्जा किया है और न ही किसी प्रकार का अवैध निर्माण कराया है। उनका कहना है कि बिना किसी आधिकारिक पुष्टि या जांच के इस तरह की खबरों का प्रसारण किया जाना न केवल भ्रामक है बल्कि उनकी छवि को भी नुकसान पहुंचाने का प्रयास है।

उन्होंने जिलाधिकारी से यह भी कहा कि अब तक उन्हें किसी भी अधिकारी या विभाग की ओर से न तो कोई नोटिस प्राप्त हुआ है और न ही किसी जांच, निरीक्षण या सीमांकन प्रक्रिया में शामिल किया गया है। ऐसे में उनके खिलाफ लगाए जा रहे आरोपों का कोई तथ्यात्मक आधार नहीं है।

प्रार्थना पत्र में अमित पांडेय ने जिलाधिकारी से मांग की है कि यदि इस प्रकरण में किसी प्रकार की जांच रिपोर्ट, निरीक्षण या सीमांकन किया गया है तो उससे संबंधित सभी अभिलेखों की प्रमाणित प्रतिलिपि उन्हें उपलब्ध कराई जाए। साथ ही उन्होंने अधिकारियों से स्थल का निष्पक्ष निरीक्षण कराकर वास्तविक स्थिति सार्वजनिक करने की मांग भी की है।

अमित पांडेय का कहना है कि यदि निष्पक्ष जांच में आरोप झूठे साबित होते हैं तो भ्रामक और तथ्यहीन प्रचार करने वाले लोगों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि भविष्य में इस तरह की गलत जानकारी

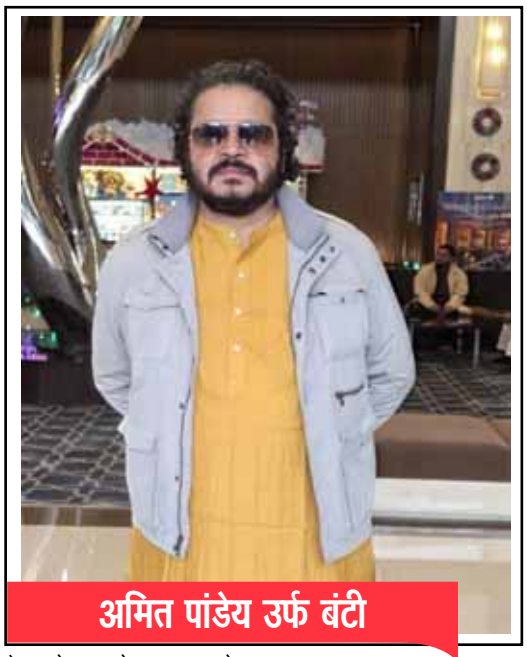

अमित पांडेय उर्फ बंटी

फैलाने पर रोक लग सके।

इस प्रकरण के सामने आने के बाद शहर की राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में भी चर्चा तेज हो गई है। अब सभी की निगाहें जिलाधिकारी कार्यालय की ओर हैं कि मामले में जांच और आगे की कार्रवाई किस प्रकार की जाती है।

परिषदीय स्कूलों के शिक्षकों को सीखनी होगी 'कृतिम बुद्धि'

❍ नरवल स्थित डायट में शुरू हुआ डिजिटल प्रशिक्षण ❍ 671 शिक्षकों को मिलेगा आधुनिक तकनीक का ज्ञान

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। परिषदीय विद्यालयों की शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। अब बेसिक शिक्षा परिषद के शिक्षक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और स्मार्ट कोडिंग का प्रशिक्षण लेकर छात्रों को डिजिटल युग के अनुरूप शिक्षा देंगे। इस पहल का उद्देश्य सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को भी नई तकनीक से जोड़ना और उन्हें भविष्य की जरूरतों के लिए तैयार करना है।

नरवल स्थित जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) में शिक्षकों के लिए डिजिटल प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया है। इसमें जिले के सभी विकासखंडों से शिक्षकों को चरणबद्ध तरीके से शामिल किया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को स्मार्ट कोडिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के मूल सिद्धांत, कंप्यूटर की बुनियादी जानकारी तथा डिजिटल साक्षरता से संबंधित व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

प्रशिक्षण की नोडल प्रभारी साधना सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को नई तकनीकों से परिचित कराना है, ताकि वे कक्षा में विद्यार्थियों को आधुनिक और रोचक तरीके से पढ़ा सकें। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद शिक्षक डिजिटल उपकरणों और सॉफ्टवेयर के उपयोग के साथ-साथ कोडिंग और एआई की मूल अवधारणाओं को भी छात्रों तक प्रभावी ढंग से पहुंचा सकेंगे।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम निपुण भारत अभियान, समग्र शिक्षा अभियान और पीएम श्री योजना के तहत संचालित किया जा रहा है। इसके माध्यम से जिले के कुल 671 शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जाएगा। अधिकारियों का मानना है कि इससे सरकारी विद्यालयों की शिक्षण पद्धति में तकनीकी नवाचार को बढ़ावा मिलेगा।

नई व्यवस्था के तहत परिषदीय विद्यालयों में कक्षा छह, सात और आठ के विद्यार्थियों को कंप्यूटर शिक्षा के साथ कोडिंग और कृत्रिम बुद्धिमत्ता की प्रारंभिक जानकारी दी जाएगी। इसके लिए राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद ने जूनियर स्तर पर संचालित विज्ञान भारती पुस्तक में कंप्यूटर और डिजिटल तकनीक से जुड़े सात नए पाठ्यक्रम शामिल किए हैं।

इन पाठ्यक्रमों में कंप्यूटर का आधारभूत ज्ञान, माइक्रोसॉफ्ट वर्ड, माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल, तार्किक सोच, स्केच के माध्यम से कोडिंग, पायथन प्रोग्रामिंग भाषा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे विषयों को शामिल किया गया है। इससे विद्यार्थियों को प्रारंभिक स्तर से ही डिजिटल तकनीक की समझ विकसित करने का अवसर मिलेगा।

शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि सरकारी स्कूलों में इस तरह की तकनीकी शिक्षा शुरू होने से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के छात्रों के बीच डिजिटल अंतर कम होगा और विद्यार्थियों को भविष्य की प्रतिस्पर्धी दुनिया के लिए बेहतर तैयारी करने में मदद मिलेगी।

एआई और कोडिंग क्या है?

❍ **एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता):** यह ऐसी तकनीक है, जिसमें कंप्यूटर या मशीनों को इस तरह प्रोग्राम किया जाता है कि वे इंसानों की तरह सोचने, सीखने और निर्णय लेने की क्षमता विकसित कर सकें। मोबाइल फोन का वॉयस असिस्टेंट, चेहरे की पहचान, ऑनलाइन सुझाव जैसी कई सेवाएं एआई तकनीक पर आधारित हैं।

❍ **कोडिंग:** कोडिंग कंप्यूटर को निर्देश देने की एक प्रक्रिया है। इसमें विशेष प्रोग्रामिंग भाषाओं के माध्यम से कंप्यूटर को बताया जाता है कि उसे कौन-सा काम कैसे करना है। पायथन, जावा और सी++ जैसी भाषाएं कोडिंग के प्रमुख उदाहरण हैं।

सरकारी स्कूलों में डिजिटल शिक्षा क्यों जरूरी

- छात्रों को आधुनिक तकनीक और डिजिटल दुनिया से जोड़ने के लिए।
- ग्रामीण और शहरी छात्रों के बीच डिजिटल अंतर को कम करने के लिए।
- विद्यार्थियों में तार्किक सोच और समस्या समाधान की क्षमता विकसित करने के लिए।
- भविष्य में आईटी और तकनीकी क्षेत्रों में रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए।
- पढ़ाई को रोचक, व्यावहारिक और तकनीक आधारित बनाने के लिए।

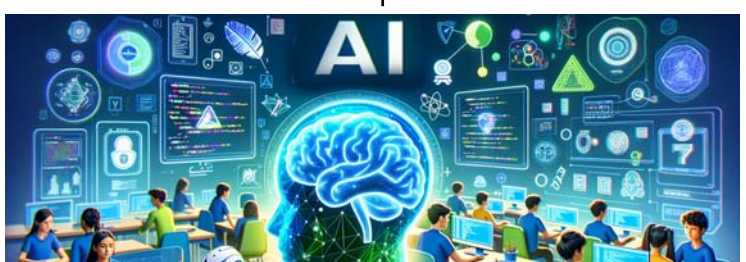

बर्रा में झुग्गी-बस्ती और जूही में फर्नीचर गोदाम जलकर खाक

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। शुक्रवार तड़के और देर रात शहर के अलग-अलग इलाकों में लगी आग ने दहशत फैला दी। पहली घटना बर्रा-7 इलाके में उस समय हुई जब एक अवैध झुग्गी-बस्ती में स्थित कबाड़ गोदाम में संदिग्ध परिस्थितियों में भीषण आग लग गई। कबाड़ को अपनी चपेट में लेते ही आग ने विकराल रूप धारण कर लिया, जिससे आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई।

सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की 7 गाड़ियों ने करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। गुजैनी थाना प्रभारी राजन शर्मा के अनुसार खाली जमीन पर अवैध रूप से बनी करीब 30 झुग्गियों में यह आग लगी, हालांकि राहत की बात यह रही कि इसमें किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। सीएफओ दीपक शर्मा ने बताया कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

वहीं, दूसरी घटना जूही थाना क्षेत्र के नौबस्ता इलाके में देर रात हुई, जहां पप्पू शर्मा के फर्नीचर और गद्दा गोदाम में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। देर रात गोदाम से धुआं उठता देख स्थानीय लोगों ने शोर मचाया और आग बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया।

सूचना पाकर फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। दुकानदार पप्पू शर्मा ने बताया कि

फायर ब्रिगेड की 7 गाड़ियों ने करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया

समय पर जानकारी मिल जाने और लोगों की मदद से अधिकतर सामान बाहर निकाल लिया गया। उन्होंने बताया कि करीब 8 लाख रुपये का कबाड़ और फर्नीचर जलकर खाक हो गया, जबकि बाकी माल सुरक्षित बचा लिया गया। दोनों ही घटनाओं में पुलिस मौजूद रही और आग के कारणों की जांच जारी है।

गंगा बैराज के पास मगरमच्छ दिखने से हड़कंप, लोगों में दहशत

स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर। गंगा बैराज के गेट नंबर 30 के पास शुक्रवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया जब गंगा नदी के किनारे एक मगरमच्छ दिखाई देने की सूचना मिली। मगरमच्छ के देखे जाने के बाद आसपास मौजूद लोगों में दहशत का माहौल बन गया और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मगरमच्छ कुछ समय तक पानी के किनारे तैरता हुआ नजर आया। लोगों ने बताया कि अचानक मगरमच्छ दिखने से बैराज के आसपास टहलने आने वाले लोग और स्थानीय निवासी घबरा गए। कुछ लोगों ने दूर से ही वीडियो बनाकर इस घटना को अपने मोबाइल में कैद कर लिया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि मगरमच्छ के दिखाई देने से गंगा बैराज क्षेत्र में आने-जाने वाले राहगीरों और आसपास रहने वाले परिवारों में डर का माहौल बन गया है। लोगों ने आशंका जताई कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो किसी

अनहोनी की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता। घटना की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय निवासियों ने प्रशासन और वन विभाग की टीम से मौके पर पहुंचकर मगरमच्छ को सुरक्षित तरीके से पकड़ने की मांग की है। लोगों का कहना है कि मगरमच्छ को पकड़कर चिड़ियाघर या सुरक्षित स्थान पर छोड़ा जाए, ताकि क्षेत्र में किसी प्रकार की दुर्घटना की स्थिति न बने।

फिलहाल मगरमच्छ के देखे जाने की खबर पूरे इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है और लोग प्रशासन की कार्रवाई का इंतजार कर रहे हैं।

अवैध प्लाटिंग पर केडीए की ताबड़तोड़ कार्रवाई

19.5 बीघे में ध्वस्तीकरण

अधिकारियों ने की लोगों से अपील

विशेष कार्याधिकारी डॉ. रवि प्रताप सिंह ने कहा कि बिना प्राधिकरण की स्वीकृति के विकसित की जा रही कालोनियां भविष्य में कई समस्याओं को जन्म देती हैं।

ऐसी जगहों पर अक्सर सड़क, नाली, बिजली, पानी और सीवर जैसी मूलभूत सुविधाएं मानकों के अनुरूप नहीं होतीं, जिससे खरीदारों को नुकसान उठाना पड़ता है।उन्होंने आम जनता से अपील की कि प्लॉट खरीदने से पहले केडीए से स्वीकृति, नक्शा और ले-आउट की जांच अवश्य करें तथा केवल स्वीकृत कॉलोनियों में ही निवेश करें।केडीए अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि अवैध निर्माण और प्लाटिंग के खिलाफ यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। अवैध निर्माण और अनधिकृत प्लाटिंग के खिलाफ कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 19.5 बीघे क्षेत्रफल में विकसित की जा रही अवैध कॉलोनियों पर बुलडोजर चला दिया। यह कार्रवाई प्रवर्तन (जोन-1बी) की टीम ने विशेष अभियान के तहत की।केडीए के उपाध्यक्ष मदन सिंह गर्ब्याल और सचिव अभय कुमार पाडेय के निर्देशन में विशेष कार्याधिकारी/उपजिलाधिकारी डॉ. रवि प्रताप सिंह के नेतृत्व में यह ध्वस्तीकरण अभियान चलाया गया। कार्वाई के दौरान ग्राम धरमपुर, कानपुर नगर में अलग-

अलग स्थानों पर विकसित की जा रही तीन अवैध प्लाटिंग साइटों को ध्वस्त किया गया।

प्राधिकरण की टीम ने बताया कि बिना स्वीकृत नक्शा और अनुमति के जमीन की प्लाटिंग कर भोले-भाले लोगों को प्लॉट बेचे जा रहे थे। अभियान के दौरान 03 जेसीबी मशीनों की मदद से अवैध कॉलोनियों में बनाए गए एंट्री गेट, सड़क, नाला, बाउंड्रीवाल,

तीन स्थानों पर हुई कार्रवाई

- केडीए ने जिन अवैध प्लाटिंग साइटों पर कार्रवाई की, उनमें
- पन्ना लाल, अदन, पूजा यादव, राकेश दीक्षित, सती प्रसाद आदि द्वारा लगभग 7 बीघे में की जा रही प्लाटिंग
- मॉ डेवलपर्स (सुनील कुमार गौर, चेतन बाजपेई आदि) द्वारा लगभग 5.5 बीघे में की जा रही प्लाटिंग
- सुनील कुमार, मृदुल जौहरी, राधेश्याम, सूरजवली, शंकर लाल, मोहन लाल आदि द्वारा लगभग 7 बीघे में की जा रही प्लाटिंग शामिल हैं।

कानपुर डिग्रीकांड: अधिवक्ता शमशाद से फिर होगी पूछताछ

- » महापौर के बेटे ने पुलिस से छुड़ाया था
- » डिग्री के अलावा आरोपियों से कॉल डिटेल्स ने भी बढ़ाया शक
- » सर्विलांस पर लगे मोबाइल तो सामने आई हकीकत
- » अधिवक्ता शमशाद आरोपियों के संपर्क में था

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कानपुर के फर्जी डिग्री मामले में अधिवक्ता शमशाद अली की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। पुलिस कॉल डिटेल्स और फर्जी एलएलबी डिग्री के आधार पर उन्हें दोबारा पूछताछ के लिए तलब करेगी। कानपुर में डिग्री खरीद फरोख्त मामले में शक के दायरे में आए अधिवक्ता शमशाद अली से पुलिस जल्द ही पूछताछ करेगी। इसके लिए उसे दोबारा थाने लाया जाएगा और उसके बयान लिए जाएंगे। पिछली बार पुलिस उसे किदवईनगर थाने नेकर आई थी, तो महापौर के बेटे अनुराग और अन्य अधिवक्ता छुड़ा ले गए थे। शमशाद के खिलाफ बाबूपुरवा थाने में धोखाधड़ी की भी रिपोर्ट दर्ज है।

सरगना से बातचीत के मिले सबूत, कॉल डिटेल्स ने खोली पोल

किदवईनगर पुलिस ने 18 फरवरी को जूही कलां स्थित शैल ग्रुप ऑफ एजुकेशन कार्यालय में दबिश दी थी। कार्रवाई के दौरान पुलिस को मौके से उत्तर प्रदेश समेत नौ राज्यों के 14 विश्वविद्यालयों की एक हजार से ज्यादा मार्कशीट और डिग्री बरामद हुईं थीं। पुलिस ने मौके से गिरोह के सरगना रायबरेली के ऊंचाहार निवासी शैलेंद्र कुमार ओझा, कौशांबी निवासी नागेंद्र मणि त्रिपाठी, गाजियाबाद निवासी जोगेंद्र तथा शुक्लागंज निवासी अश्वनी कुमार को गिरफ्तार कर 19 फरवरी को जेल भेजा था।वहीं, आरोपियों से पूछताछ के बाद शुभम दुबे, शेखू, छतरपुर निवासी मयंक भारद्वाज, हैदराबाद निवासी मनीष उर्फ रवि और गाजियाबाद निवासी विनीत के नाम सामने आने के बाद से उनकी तलाश की जा रही है।

आरोपियों ने पूछताछ में बाबूपुरवा के अजीतगंज निवासी शमशाद अली समेत शहर के 10 अधिवक्ताओं को एलएलबी की डिग्री उपलब्ध कराने की बात स्वीकार की थी। इसके बाद से पुलिस को पूछताछ के लिए उसकी तलाश थी।सोमवार को किदवईनगर पुलिस उसे लेकर थाने पहुंची थी और पूछताछ की थी। इसके कुछ देर बाद महापौर के अधिवक्ता बेटे अनुराग पांडेय शमशाद के समर्थन में थाने पहुंचे और उसे छोड़ने का दबाव बनाया।

इसके बाद पुलिस ने उसे लिखापढ़ी कर उनके साथ जाने दिया। मामले का वीडियो भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ था।डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि जल्द ही बाबूपुरवा निवासी अधिवक्ता शमशाद को पुलिस पूछताछ के लिए दोबारा बुलाएगी। वहीं आरोपियों की कॉल डिटेल्स में पुलिस को शैलेंद्र का नंबर मिला है। इसके चलते वह दो तरह से शक के दायरे में है। उसके खिलाफ बाबूपुरवा में भी धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज है।

शैलेंद्र और उसके तीन साथियों को जेल भेज चुकी पुलिस अब न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल करने से पहले सबूत जुटाना चाहती है। इसमें लगी पुलिस आरोपियों के फरार चल रहे अन्य साथियों तक पहुंचने के लिए उनकी कॉल डिटेल खंगाल रही है। इसी पड़ताल में पुलिस को शमशाद का नंबर मिला था।उसकी कई बार और काफी देर तक आरोपियों से बातचीत होने के सबूत मिलने पर शमशाद पुलिस की नजरों में आ गया था। वहीं, एलएलबी की डिग्री मामले में नाम आने पर वह पहले से शक के दायरे में था। कॉल डिटेल्स से शक गहराने पर उसे थाने लाकर पूछताछ की गई थी। एसआईटी प्रभारी एडीसीपी साउथ योगेश कुमार ने कहा कि अधिवक्ता शमशाद आरोपियों के संपर्क में था। पूछताछ के लिए उसे फिर बुलाया जाएगा।

सम्पादकीय

बीजेपी के लिए सीएम की कुर्सी छोड़ने की तैयारी

ऐसा लगता है कि बिहार में पहले से लिखी स्क्रिप्ट को अमली-जामा पहनाने का उपक्रम शुरू हो गया है। जिसे बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का राज्यसभा के लिये नामांकन के रूप में देखा जा रहा है। इस घटनाक्रम का महत्व कितना अधिक है,यह नामांकन के मौके पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के पटना पहुंचने से पता चलता है। बहरहाल, यह तय हो गया है कि बिहार की राजनीति में दो दशकों के बाद राज्य की सत्ता में एक बड़ा परिवर्तन देखने को मिलेगा। जनता दल यूनाइटेड के सुप्रीमो नीतीश कुमार, जिन्होंने चार माह से भी कम समय पहले रिकॉर्ड दसवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी, लेकिन अब अप्रत्याशित रूप से इस प्रतिष्ठित कुर्सी को छोड़ने को तैयार हैं। अब 75 वर्षीय नीतीश कुमार आगामी राज्यसभा चुनाव लड़ने जा रहे हैं। बहरहाल, विधानसभा में सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए पर्याप्त बहुमत के कारण उनकी जीत निश्चित मानी जा रही है। निष्कर्ष यह भी है कि राज्यसभा चुनाव में सफल होने के बाद उनका मुख्यमंत्री के रूप में दो दशक पुराना सफर समाप्त हो जाएगा। इसमें कोई दो राय नहीं कि राज्य में उनका अगला उत्तराधिकारी भाजपा से ही आएगा। उल्लेखनीय है कि नवंबर 2025 में हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा राज्य में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। भाजपा ने जो अच्छा प्रदर्शन किया था, उसके चलते ही नीतीश को फिर से सत्ता में बने रहने में मदद मिली थी। लेकिन तभी राजनीतिक पंडित कयास लगा रहे थे कि कालांतर उनको पद छोड़ना ही होगा, अब चाहे यह स्वेच्छा से हो या मजबूरी में। निस्संदेह, उत्तर भारत में बिहार एकमात्र ऐसा हिंदी भाषी राज्य है जहां अब तक भाजपा का कोई मुख्यमंत्री नहीं रहा है। वहीं दूसरी ओर अटकलें लगायी जा रही हैं कि नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार, जो सक्रिय राजनीति में अभी नये हैं, नई सरकार में उप मुख्यमंत्री बन सकते हैं।

बहुत संभव है बिहार में भाजपा की महत्वाकांक्षा को देखते हुए जेडीयू अपनी पार्टी का जनाधार बनाये रखने के लिये पार्टी के लिये उपमुख्यमंत्री पद चाह रही हो। हो सकता है कि सत्ता में अचानक आने वाले इस बड़े बदलाव को लेकर कुछ जेडीयू नेताओं में असंतोष देखने में आए। अनुभवी व उम्रदराज नीतीश कुमार के सामने भी चुनौती है कि कैसे अपने दल के विधायकों को एकजुट रखा जाए। साथ ही यह सुनिश्चित करना कि उनकी पार्टी का जनाधार प्रभावित न हो।

वहीं दूसरी ओर नीतीश कुमार के राज्यसभा में जाने की स्थिति में लोक जनशक्ति पार्टी के प्रमुख और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान को राज्य की राजनीति में अपनी पैठ मजबूत बनाने में मदद मिलेगी। यह घटनाक्रम मुख्य विपक्षी दल राष्ट्रीय जनता दल के लिये महत्वपूर्ण होगा क्योंकि वह सत्ताधारी गठबंधन की कमजोरियों का फायदा उठाने की कोशिशें तेज करेगा। वहीं दूसरी ओर सोशल मीडिया पोस्ट में नीतीश कुमार ने दो दशक की पारी में सहयोग के लिये बिहार की जनता का आभार जताया है तथा अपना दायित्व निभाने की बात कही है। साथ ही राज्यसभा में जाने की तार्किकता का भी जिक्र किया है और विकसित बिहार के संकल्प को फिर से दोहराया है। निस्संदेह, वर्ष 2005 से अब तक, बीच के कुछ महीनों को छोड़कर, उनका सत्ता में बने रहना अभूतपूर्व रहा है। किसी भी गठबंधन की सरकार रही हो, नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री बने रहे।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए बनी रहे शिक्षक की गरिमा

पुष्परंजन

शिक्षण संस्थाओं में अंग्रेजी राज से जारी निरीक्षण संस्कृति नई आर्थिक-शैक्षिक नीतियों की चर्चाओं के बावजूद कायम है। वहीं नीति नियंता मानते रहे कि निरंतर परीक्षाओं से शिक्षा की गुणवत्ता उच्च होगी व अध्यापक सतर्क रहेंगे। जबकि असल में शिक्षक...शिक्षण संस्थाओं में अंग्रेजी राज से जारी निरीक्षण संस्कृति नई आर्थिक-शैक्षिक नीतियों की चर्चाओं के बावजूद कायम है। वहीं नीति नियंता मानते रहे कि निरंतर परीक्षाओं से शिक्षा की गुणवत्ता उच्च होगी व अध्यापक सतर्क रहेंगे। जबकि असल में शिक्षक की खुशी और गरिमा ही कक्षा में कड़ी मेहनत की बेहतर गारंटी है। तकनीकी मदद से परीक्षाओं ने अध्यापन कमजोर किया।वर्ष 1990 के दशक के मध्य में नई आर्थिक नीतियों से जो बड़ी उम्मीदें जगी थीं, उनमें से एक यह थी कि लाइसेंस-इंस्पेक्टर राज खत्म हो जाएगा। शायद काम-धंधे की दुनिया में ऐसा हुआ भी, लेकिन शिक्षा जगत में, 'लाइसेंस' और 'इंस्पेक्शन', दोनों के, तौर-तरीके और मज़बूत हुए।

स्कूल शिक्षा में, इंस्पेक्टर यानी निरीक्षक शब्द आम था और इस पद के कई स्तर थे।महान हिंदी साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद ने 20वीं सदी की शुरुआत में 'सब-डिप्टी इंस्पेक्टर' के तौर पर काम किया। उनका आभार कि उन्होंने ब्रिटिश राज में विद्यालय निरीक्षण का क्या मतलब हुआ करता था, इसकी साफ निशानियां अपनी कहानियों में वर्णित की हैं। ऐसा नहीं कि निरीक्षक वाली भूमिकाएं और इंस्पेक्शन संस्कृति बीते ज़माने की हैं - वे आज़ादी और नई आर्थिक एवं शिक्षा नीति के बाद भी बची हैं। स्कूल निरीक्षण आज भी ऐसा आयोजन है, जिसमें जहां निरीक्षण करने वाला विभाग अपनी ताकत प्रदर्शित करता है वहीं स्कूल स्टाफ विनम्रता दिखाता है। उनके पास नर्मी दिखाने के अलावा कोई चारा भी नहीं।निरीक्षण संस्कृति औपनिवेशिक काल के दिनों से नहीं बदली। हेडमास्टर को सुनिश्चित करना होता था कि स्कूल भवन साफ़-सुथरा दिखे, गलियारे में गमले सजे हों। बच्चों को होशियार और अध्यापकों को काम में खोए दिखना होता था। अगर कहीं छत में छेद होते, तो उन्हें चिथड़ों से या जो भी हाथ लगे, उससे ढांप दिया जाता था। अगर फ़र्श पर गड्ढे होते, तो हेडमास्टर उन्हें छिपाने के लिए कालीन का इस्तेमाल करते थे।गांधीवादी शिक्षाशास्त्री मार्जोरी साइक्स, जो असल में एक ब्रिटिश नागरिक थीं, ने इस लेखक को बताया कि भारत में होने वाला विद्यालय निरीक्षण इंग्लैंड में निरीक्षण से एकदम उल्ट होता था। वहां हेडमास्टर छेदों के चारों ओर चॉक से गोले खिंचवा देते थे, ताकि सुनिश्चित हो कि वह इंस्पेक्टर की नज़रों में आ जाए और वह मरम्मत का काम करवाए। न कोई डर था, न असलियत छिपाने की ज़रूरत थी।माना गया था कि उदारवाद की आमद से न केवल व्यापार बल्कि हर क्षेत्र में नौकरशाही कमज़ोर होने के साथ इंस्पेक्टर राज खत्म हो जाएगा। लेकिन शिक्षा क्षेत्र में, निरीक्षक राज उल्टा उच्च शिक्षा तक फैल गया। एक्रेडिटेशन (मानकीकरण) और रैंकिंग नई प्रथा के तौर पर शुरू किए गए, और उनकी वजह से निरीक्षण टीमों द्वारा यूनिवर्सिटी और कॉलेज निरीक्षण अनिवार्य हो गया। जब 'नैक' (नेशनल असेसमेंट एंड एक्रेडिटेशन काउंसिल) एक इंस्पेक्शन टीम भेजती है, तो कॉलेज व यूनिवर्सिटी के अधिकारी कैंपस सजा देते हैं, आगंतुक टीम को प्रभावित करने के लिए शानदार डेटा डिस्प्ले एवं खूबसूरत फ्लेक्स तैयार किए जाते हैं। इसके सदस्य 'अन्य तरीकों से अपनी तसल्ली' करवाए जाने की अपेक्षा रखते हैं -महज़ साफ-सुथरे शौचालयों और पौधे लगाने भर से नहीं। अगर टीम उच्चतम ग्रेड से कम की रैंकिंग देती है, तो बताए गए कारण अकसर असली कहानी नहीं होते। हर कोई जानता है कि संस्थान मुखिया आंगतुकों को खुश करने में नाकाम रहा।द ट्रिब्यून (19 फरवरी) की एक खबर दिखाती है कि विद्यालय निरीक्षण के दौरान और उसके बाद अध्यापकों को किन जोखिमों का सामना करना पड़ता है। पंजाब के शिक्षा मंत्री ने लुधियाना ज़िले के माछीवाड़ा में एक प्राथमिक विद्यालय का औचक निरीक्षण किया।

अमेरिका और इजराइल की कार्रवाई अंतर्राष्ट्रीय कानून के खिलाफ

ईरान युद्ध

निरंजन कोठारी

सबसे पहले उन देशों की बात करें जो ईरान के साथ खड़े दिखाई दे रहे हैं। इस सूची में सबसे प्रमुख नाम रूस और चीन का है। इन दोनों देशों ने अमेरिका और इजराइल की कार्रवाई को अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ बताया है और इसे क्षेत्रीय अस्थिरता फैलाने वाला कदम कहा है।मध्य-पूर्व में भड़का ईरान का युद्ध अब केवल एक क्षेत्रीय संघर्ष नहीं रह गया है, बल्कि यह पूरी दुनिया की राजनीति को झकझोर देने वाला संकट बन चुका है। अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई शुरू होने के बाद वैश्विक राजनीति स्पष्ट रूप से तीन खेमों में बंटती दिखाई दे रही है।

एक ओर वे देश हैं जो ईरान के साथ खड़े हैं, दूसरी ओर वे देश हैं जो अमेरिका और इजराइल की सैन्य कार्रवाई को समर्थन दे रहे हैं, जबकि तीसरा समूह उन देशों का है जो खुलकर किसी पक्ष में नहीं आ रहे और खुद को तटस्थ दिखाने की कोशिश कर रहे हैं।सबसे पहले उन देशों की बात करें जो ईरान के साथ खड़े दिखाई दे रहे हैं। इस सूची में सबसे प्रमुख नाम रूस और चीन का है। इन दोनों देशों ने अमेरिका और इजराइल की कार्रवाई को अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ बताया है और इसे क्षेत्रीय अस्थिरता फैलाने वाला कदम कहा है। रूस पहले से ही पश्चिमी देशों के साथ टकराव की स्थिति में है, इसलिए उसने ईरान के खिलाफ हमले की तीखी आलोचना की है और कूटनीतिक समर्थन दिया है।

चीन ने भी संयम बरतने की अपील करते हुए यह स्पष्ट किया है कि क्षेत्रीय समस्याओं का समाधान युद्ध नहीं बल्कि बातचीत से होना चाहिए।इन महाशक्तियों के अलावा उत्तर कोरिया और वेनेजुएला जैसे देश भी ईरान के समर्थन में खड़े दिखाई देते हैं। इसके साथ ही मध्य-पूर्व में कई ऐसे संगठन हैं जो ईरान के रणनीतिक सहयोगी

माने जाते हैं, जैसे लेबनान का हिज्बुल्लाह और यमन के हूती विद्रोही। ये समूह लंबे समय से अमेरिका और इजराइल के प्रभाव का विरोध करते रहे हैं और इस संघर्ष में भी ईरान के साथ खड़े दिखाई दे रहे हैं। इस पूरे समूह को अक्सर प्रतिरोध धुरीकहा जाता है, जो पश्चिमी प्रभाव को चुनौती देने की कोशिश करता है।अब दूसरे खेमे की बात करें, जो अमेरिका और इजराइल के साथ खड़ा है। इस युद्ध के सबसे बड़े पक्षकार स्वयं अमेरिका और इजराइल हैं। इजराइल लंबे समय से ईरान के परमाणु कार्यक्रम को अपने अस्तित्व के लिए खतरा बताता रहा है, जबकि अमेरिका ने अपने सहयोगी की सुरक्षा का हवाला देकर सैन्य अभियान में भाग लिया है। इनके अलावा कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और खाड़ी क्षेत्र के कुछ देश भी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अमेरिकी रणनीति के करीब दिखाई देते हैं। बहरीन, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब जैसे देशों में अमेरिकी सैन्य ठिकाने मौजूद हैं और ये देश लंबे समय से ईरान को क्षेत्रीय खतरे के रूप में देखते रहे हैं।

ईरान युद्ध के मुद्दे पर पश्चिमी सैन्य गठबंधन नाटो का रुख भी दिलचस्प है। नाटो के महासचिव मार्क रूट ने अमेरिका और इजराइल की सैन्य कार्रवाई की प्रशंसा करते हुए कहा कि इससे ईरान की परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइल क्षमता को कमजोर करने में मदद मिल रही है। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने की दिशा में महत्वपूर्ण है। हालांकि नाटो प्रमुख ने यह भी साफ किया कि नाटो स्वयं इस युद्ध में शामिल होने की कोई योजना नहीं बना रहा है। उन्होंने कहा कि नाटो एक संगठन के रूप में इस संघर्ष में नहीं उतरेगा, लेकिन उसके कुछ सदस्य देश अमेरिका और इजराइल की कार्रवाई को अपने स्तर पर समर्थन दे सकते हैं। यह बयान इस बात का संकेत देता है कि पश्चिमी गठबंधन के भीतर भी युद्ध को लेकर पूरी तरह एकमत स्थिति नहीं है।तीसरा समूह उन देशों का है जो खुद को तटस्थ दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। इस समूह में भारत, कई यूरोपीय देश, ब्रिटेन, कतर, ओमान और कॉकस क्षेत्र के कुछ देश शामिल हैं। इन देशों ने सीधे किसी पक्ष का समर्थन करने की बजाय युद्ध को रोकने और कूटनीतिक समाधान की अपील की है।

भारत जैसे देश ऊर्जा सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता दोनों को ध्यान में रखते हुए सावधानी से कदम उठा रहे हैं। वहीं कतर और ओमान जैसे देश मध्यस्थता की भूमिका निभाने की कोशिश कर रहे हैं क्योंकि वे पहले भी अमेरिका और ईरान के बीच संवाद कराने में सक्रिय रहे हैं।

..मेरी मौत के जिम्मेदार दीनू, छोटे और आदिल हैं!

प्रेम प्रसंग में युवती पक्ष से मिल रही धमकियों से आहत युवक ने फांसी लगाई

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। अरौल थाना क्षेत्र के रौगांव गांव में गुरुवार रात एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या से पहले युवक द्वारा बनाया गया एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसमें उसने अपनी मौत के लिए तीन लोगों को जिम्मेदार बताया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की हर एंगल से जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार

रौगांव निवासी सैयद के तीन बेटों में सबसे बड़ा 25 वर्षीय चंदू केरल में निजी नौकरी करता था। बताया गया है कि उसका गांव के एक परिवार की रिश्तेदार नसिरापुर निवासी युवती से आँखें चार थीं। और वह उसे बेपनाह प्रेम करता था। बताया गया कि दोनों शादी करना चाहते थे, लेकिन युवती के परिजन इस रिश्ते के खिलाफ थे।

परिजनों के अनुसार गुरुवार रात चंदू ने घर के अंदर छत के कुंडे से रस्सी के सहारे फांसी लगा ली। कुछ देर बाद जब परिजनों को घटना की जानकारी हुई तो घर में कोहराम

रौगांव गांव का युवक चंदू, जिसने फांसी लगाकर जान दे दी।

मच गया। सूचना मिलने पर मकनपुर चौकी इंचार्ज और अरौल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतरवाकर जांच पड़ताल शुरू की। फॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंची और जाँच कर सबूत एकत्र किए।बताया गया कि युवक ने आत्महत्या से पहले एक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया था। हालांकि वायरल हुए वीडियो की आपका अपना अखबार स्वराज इंडिया पुष्टि

➪ मरने से पहले वीडियो किया वायरल, पुलिस ने मामले की हर एंगल से जाँच शुरु की

54 सेकेंड के वीडियो में बयां किया दर्द

आत्महत्या से पहले बनाए गए करीब 54 सेकेंड के वीडियो में युवक ने कहा कि उसकी मौत के लिए उसके घर वाले जिम्मेदार नहीं हैं। वीडियो में उसने दीनू, छोटे भैया और आदिल को अपनी मौत का जिम्मेदार ठहराया। युवक का आरोप है कि इन लोगों ने उसे और उसके पूरे परिवार को जान से मरवा देने की धमकी दी थी। उसने कहा कि वह युवती से शादी करना चाहता था, लेकिन इसी बात को लेकर उसे लगातार धमकाया जा रहा था और इसी दबाव में उसने यह कदम उठाया।

नही करता है। उधर मकनपुर चौकी इंचार्ज अभिषेक ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही आगे कि कार्रवाई की जाएगी।

पति सड़क पर गिरा, ऑटो चालक सामान लेकर फरार

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। शिवराजपुर थाना क्षेत्र में एक ऑटो चालक की कथित करतूत सामने आई है। सड़क पर गिर पड़े यात्री को संभालने में लगे दंपती का सामान लेकर चालक ऑटो सहित फरार हो गया। घटना नेवादा टोल प्लाजा के पास की बताई जा रही है। पीड़ित पक्ष ने बिल्हौर स्थित एसीपी कार्यालय में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। छतरपुर गांव की रहने वाली सुलोचना के मुताबिक वह अपने पति मनोज और एक साल की बेटी के साथ शिवराजपुर से बिल्हौर आ रही थीं। रास्ते में किसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच कहासुनी हो गई। इसी दौरान ऑटो को झटका लगा और मनोज संतुलन बिगड़ने से खिड़की की तरफ से नीचे सड़क पर जा गिरे।

पति को गिरा देख सुलोचना तुरंत ऑटो

➪ नेवादा टोल प्लाजा के पास हुई घटना, पीड़ित दंपती ने एसीपी से लगाई गुहार

से उतरकर बच्ची के साथ उन्हें उठाने लगीं। आरोप है कि इसी दौरान चालक ने ऑटो में रखा उनका सामान उठाया और मौके से भाग निकला। सुलोचना ने शोर मचाकर उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन चालक तेजी से वहां से निकल गया। बताया गया कि ऑटो में रखे दो बैग में कपड़े और बच्ची का जरूरी सामान था। घटना के बाद दंपती किसी तरह बिल्हौर पहुंचे और एसीपी कार्यालय में लिखित शिकायत दी। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की मदद से ऑटो चालक की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

फर्जी बैनामे के मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। तहसील क्षेत्र में फर्जी दस्तावेजों के जरिए जमीन का बैनामा कराने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। वह काफी समय से पुलिस की पकड़ से बाहर चल रहा था। जानकारी के मुताबिक रामपुर नरुआ गांव के रामचंद्र ने कुछ समय पहले थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उनका कहना था कि गांव में स्थित कृषि भूमि उनके और उनके भाई ओमप्रकाश के नाम संयुक्त रूप से दर्ज है। आरोप है कि वर्ष 2019 में ओमप्रकाश ने कथित तौर पर जाली पहचान पत्रों के सहारे उस जमीन का बैनामा करा दिया।

शिकायत में यह भी बताया गया कि

➪ दूसरे की जमीन पर बैनामे में फर्जी गवाही देने का आरोप

बैनामे के दौरान गडरियन पुरवा निवासी संतराम और बिल्हौर के बलराम नगर निवासी गोकुल गवाह बने थे, जबकि धीरेंद्र ने उक्त भूमि को खरीदा था। मामले की जांच के बाद पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस के अनुसार गोकुल घटना के बाद से ही फरार चल रहा था। गुरुवार को पुलिस टीम ने सूचना के आधार पर दबिश देकर उसे उसके घर से हिरासत में ले लिया। पूछताछ के बाद उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

पेड़ से लटका मिला किसान का शव, हत्या की आशंका

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। ककवन थाना क्षेत्र के विरुआनिवादा गांव में गुरुवार शाम एक किसान का शव खेत में नीम के पेड़ से लटका मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। विरुआनिवादा गांव निवासी कमलेश गौतम (50) गुरुवार शाम घर से खेत की ओर चारा लेने के लिए निकले थे। काफी समय बीतने के बाद भी जब वह वापस नहीं लौटे तो परिजन उनकी तलाश में खेतों की ओर पहुंचे।

वहां एक नीम के पेड़ की डाल से उनका शव अंगौछे के सहारे लटका मिला। परिजनों ने बताया कि शव जमीन के काफी नजदीक था, जिससे उन्हें घटना संदिग्ध लग रही है। आशंका जताई जा रही है कि हत्या के बाद शव को पेड़ से लटकाया गया हो। घटना की खबर फैलते ही ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुट गई।

ककवन थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह राजपूत ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। परिजनों की आशंका को भी ध्यान में रखा गया है।

"हो गोरिए गोली चल जावगी" पर झूमी पुलिस, रंगों में डूबी कोतवाली

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। खिचमा सूट पहन कर चाली के कर वावगीज हो गोरिए गोली चल जावगीज डीजे पर यह गीत बजते ही बिल्हौर कोतवाली परिसर में माहौल रंगीन हो गया। पुलिसकर्मी खुद को रोक नहीं पाए और रंग-गुलाल के बीच जमकर थिरकते नजर आए। होली के रंगोत्सव के दूसरे दिन गुरुवार को कोतवाली परिसर में कोतवाल सुधीर कुमार व पुलिसकर्मियों ने उत्साह के साथ होली का जश्न मनाया। सुबह से ही कोतवाली परिसर में होली मिलन का माहौल बन गया था।पुलिसकर्मी एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर बधाई देते रहे। थोड़ी ही देर में डीजे की धुन गूंजने लगी और फिर शुरू हुआ मस्ती और रंगों का सिलसिला। कई पुलिसकर्मी डांस करते हुए नजर आए तो कुछ साथियों को रंग लगाकर हंसी-मजाक करते दिखे।

दरअसल, होलिका दहन और रंगों की होली के दौरान पुलिसकर्मी लगातार क्षेत्र में ड्यूटी करते रहे। बाजारों, चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर तैनाती के चलते उन्हें त्योहार मनाने का समय नहीं मिल पाया था। ऐसे में गुरुवार को थोड़ी राहत मिलते ही पुलिसकर्मियों ने भी आपसी भाईचारे के साथ होली का आनंद लिया। कार्यक्रम के दौरान कोतवाली परिसर में गीत-संगीत के साथ रंगों

➪ त्योहार की ड्यूटी के बाद पुलिसकर्मियों ने मनाया रंगोत्सव

➪ अबीर-गुलाल लगाकर दी एक दूसरे को बधाई

की बौछार होती रही। पुलिसकर्मी एक-दूसरे को रंग लगाकर फोटो भी खिंचवाते रहे। माहौल इतना खुशनुमा हो गया कि कई जवान मस्ती में झूमते हुए कपड़ा फाड़ होली खेलते भी दिखाई दिए।इसी तरह सर्किल के अन्य थानों में भी पुलिसकर्मियों ने साथ मिलकर होली मनाई।

कहीं डीजे की धुन पर डांस हुआ तो कहीं रंग-गुलाल के बीच होली की शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम के दौरान मिठाई और नाश्ते का भी इंतजाम रहा। ड्यूटी की जिम्मेदारी निभाने के बाद मिले इस मौके पर पुलिसकर्मियों के चेहरों पर भी त्योहार की खुशी साफ नजर आई और पूरा परिसर रंगों व गीतों से गुलजार हो उठा।इसी तरह सर्किल के अरौल, शिवराजपुर, ककवन और चौबेपुर थानों में भी पुलिसकर्मियों ने आपसी भाईचारे के साथ होली मनाई।

कानपुर में संघ-भाजपा समन्वय बैठक में पहुंचे सीएम योगी, 2027 चुनाव की रणनीति पर मंथन

संगठन-सरकार के तालमेल, कार्यकर्ताओं की नाराजगी और जमीनी फीडबैक पर हुई चर्चा

» मुख्य संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को कानपुर पहुंचे और यहां आयोजित राष्ट्रीय स्वयसेवक संघ तथा भाजपा की महत्वपूर्ण समन्वय बैठक में शामिल हुए। मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर सीएसए विश्वविद्याल के हेलीपैड पर उतरा, जहां स्थानीय जनप्रतिनिधियों और पार्टी पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया। इसके बाद मुख्यमंत्री नवाबगंज स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय सनातन धर्म विद्यालय में आयोजित संघ-भाजपा समन्वय बैठक में शामिल होने पहुंचे। इस बैठक को आगामी 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार बैठक में सरकार और संगठन के बीच बेहतर तालमेल, कार्यकर्ताओं की नाराजगी, चुनावी रणनीति और जमीनी स्तर से मिल रहे फीडबैक पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ नेता, सांसद-विधायक तथा पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान केंद्र सरकार में मंत्री और प्रदेश भाजपा के प्रमुख नेताओं में से एक पंकज चौधरी सहित कई संगठन पदाधिकारी भी बैठक में शामिल हुए।

राजनीतिक सूत्रों के मुताबिक, यह बैठक विशेष रूप से इसलिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि 2024 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में पार्टी को अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकी थी। खासकर बुंदेलखंड क्षेत्र की बांदा, चित्रकूट, हमीरपुर, जालौन और फतेहपुर जैसी सीटों पर भाजपा को हार का सामना करना पड़ा था, जबकि फर्रुखाबाद सीट पर भी मुकाबला काफी कड़ा रहा था। इसी पृष्ठभूमि में संघ और भाजपा नेतृत्व आगामी चुनावों से पहले संगठनात्मक मजबूती और कार्यकर्ताओं के साथ बेहतर संवाद स्थापित करने की रणनीति पर काम कर रहा है। सूत्र बताते हैं कि बैठक में बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय करने, जनसंपर्क अभियान तेज करने और सरकार की योजनाओं को प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचाने पर भी जोर दिया गया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी सी एस ए परिसर में चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पुष्पांजलि अर्पित करने पहुंचे

2027 की तैयारी का संकेत

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार कानपुर में हुई यह बैठक केवल औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि 2027 विधानसभा चुनाव की रणनीतिक शुरुआत के रूप में देखी जा रही है।

भाजपा और संघ के बीच समन्वय बैठकें आमतौर पर तब तेज होती हैं जब संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूती देने की जरूरत महसूस होती है। 2024 लोकसभा चुनाव के बाद पार्टी नेतृत्व अब क्षेत्रीय असंतोष और संगठनात्मक कमजोरियों को दूर करने पर फोकस कर रहा है। मुख्यमंत्री योगी की मौजूदगी यह संकेत देती है कि सरकार और संगठन के बीच सीधा संवाद और तालमेल मजबूत करने की कोशिश की जा रही है। बुंदेलखंड और मध्य यूपी जैसे क्षेत्रों में राजनीतिक समीकरणों को नए सिरे से साधने की रणनीति भी इस बैठक के केंद्र में मानी जा रही है।विश्लेषकों का मानना है कि यदि संगठनात्मक स्तर पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय किया गया और स्थानीय मुद्दों को समय रहते संबोधित किया गया, तो यह भाजपा के लिए 2027 में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

एक नजर में....

- » सीएम योगी का हेलीकॉप्टर सीएसए हेलीपैड पर उतरा, स्थानीय नेताओं ने किया स्वागत
- » नवाबगंज में संघ-भाजपा समन्वय बैठक में हुए शामिल
- » 2027 विधानसभा चुनाव की रणनीति पर प्रारंभिक मंथन
- » संगठन और सरकार के बीच तालमेल बढ़ाने पर जोर
- » कार्यकर्ताओं की नाराजगी और जमीनी फीडबैक पर चर्चा
- » लोकसभा चुनाव 2024 में कुछ सीटों पर मिली हार की समीक्षा

कुठिला झील को जल्द मिलेगा पर्यटन का दर्जा

- » कानपुर नगर के सांसद रमेश अवस्थी की पहल पर मिले 4 करोड़, जल्द होगा सुंदरीकरण
- »पक्षी विहार के रूप मे विकसित होगी कुठिला झील,मिलेगी होम स्टे की सुविधा

» मुख्य संवाददाता, स्वराज इंडिया

फर्रुखाबाद । अमृतपुर तहसील के फर्रुखाबाद बदायूं मार्ग पर स्थित कुठिला झील का डीएम द्वारा निरीक्षण कर जायजा लिया द्य झील के विकास के लिए योजना तैयार कर मातहतों को निर्देशित किया। 57 बीघा के क्षेत्रफल मे फैली कुठीला झील को पर्यटक स्थल के रूप मे विकसित करने के उद्देश्य से अधिकारियों ने मंथन शुरू कर दिया है।जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी ने वन विभाग, पर्यटन विभाग और राजस्व विभाग के साथ कुठिला झील का निरीक्षण किया था द्य निरीक्षण के दौरान झील मे जलकुंभी देखकर जिलाधिकारी ने झील की साफ सफाई के निर्देश अधिकारियों को दिए। जिलाधिकारी ने बताया कि जल्द ही यहां होम स्टे की मिलेगी सुविधा पक्षी विहार के रूप मे इस झील को विकसित किया जायेगा। जिससे आने वाले पर्यटक यहां की सुंदरता को देख सकें और यहां ठहर सकें। इस झील को पर्यटक स्थल के रूप मे विकसित करने के लिए कई बदलाव किए जाएंगे। झील की सुंदरता बढ़ाने के लिए झील के चारों तरफ फल और फूलदार पौधों की बाड़ लगाई जाएगी। झील पर लाइट की बेहतर व्यवस्था की जाएगी जिससे आने वाले पर्यटक रात्रि मे भी झील की सुंदरता का आनंद ले सकें। झील के अंदर पक्षियों के बैठने के लिए टीले बनाए जाएंगे। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को शीघ्र ही कुठिला झील को विकसित करने के लिए कार्य शुरू करने के निर्देश दिए।

भाजपा के कानपुर सांसद रमेश अवस्थी ने अपने पैतृक गांव से कुछ दूरी पर स्थित कुटिला झील के सुंदरीकरण के लिए 4 करोड रुपए के साथ ही डीपीआर भी तैयार कराई है उसके अनुसार झील का सुंदरीकरण कार्य जल्दी शुरू हो जाएगा।

हसनापुर ग्राम पंचायत में घोटाले पर कब होगी कार्रवाई ?

ग्रामीणों ने शपथ पत्र में शिकायत करके कड़ी कार्रवाई की मांग की थी

» विकास भवन में बैठे अधिकारी शिकायतों पर कर रहे हैं खानापूर्ति

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। अकबरपुर ब्लॉक की ग्राम पंचायत हसनापुर में ग्राम विकास निधि के गबन का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। ग्राम प्रधान पर अपने और सगे-संबंधियों के खातों में लाखों रुपए की ग्राम विकास निधि ट्रांसफर कराने के आरोपों के बाद प्रशासनिक जांच की आंच तेज हो गई है। ग्रामीणों द्वारा लगाए गए गंभीर आरोपों और सोशल मीडिया पर वायरल हुए बिल-वाउचर के बाद यह मामला अब प्रशासन के संज्ञान में है। सूत्रों का दावा है कि मामले को रफा-दफा करने का प्रयास चल रहा है.

इस प्रकरण में स्वराज इंडिया द्वारा पूर्व में प्रकाशित खबर के बाद ग्रामीणों ने भी खुलकर आवाज उठाई है। गांव के निवासी सौरभ यादव पुत्र कन्हैयालाल समेत कई लोगों ने शपथपत्र के माध्यम से मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) कानपुर देहात को शिकायत सौंपकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है। बताया गया कि तत्कालीन सीडीओ एन लक्ष्मी के निर्देश पर अकबरपुर ब्लॉक के सहायक विकास अधिकारी आदित्य शुक्ला ने 10 दिसंबर 2025 को ग्राम प्रधान राम सिंह यादव और ग्राम सचिव को पत्र जारी कर ग्राम निधि की राशि निजी खातों में ट्रांसफर किए जाने को लेकर बिंदुवार स्पष्टीकरण मांगा था। हालांकि काफी समय बीत जाने के बावजूद अब तक संबंधित पक्षों द्वारा कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया है।

ग्राम पंचायत पोर्टल से सामने आए स्क्रीनशॉट के अनुसार कई भुगतान सीधे ग्राम प्रधान या उनके

नजदीकी लोगों के खातों में ट्रांसफर किए गए। वर्ष 2023-2024 में 1 जून 2023 को सफाई कार्य के नाम पर 21,500 रुपए का भुगतान ग्राम प्रधान के खाते में दिखाया गया है। इसी तरह 6 अगस्त 2023 को प्राथमिक विद्यालय ठकुरनगढेवा में शौचालय निर्माण के लिए 17,410 रुपए का भुगतान किया गया। 31 दिसंबर 2022 को जगद सिंह के घर से मेवालाल के घर तक इंटरलॉकिंग कार्य के नाम पर 29,930 रुपए का भुगतान भी ग्राम प्रधान के खाते में दर्शाया गया है। वहीं 6 अगस्त 2023 को हैंडपंप मरम्मत के नाम पर 5,400 रुपए का भुगतान लिया गया ।ग्रामीणों का आरोप है कि खडंजा, नाली निर्माण, हैंडपंप मरम्मत और अन्य विकास कार्यों के नाम पर कागजों में खर्च दिखाकर सरकारी धन का बंदरबांट किया गया है। कई भुगतान रिश्तेदारों के खातों में ट्रांसफर कराए जाने की भी बात सामने आई है।

वर्तमान ग्राम पंचायत सचिव शशि बाजपेई ने पहले ही यह कहकर जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने का प्रयास किया था कि वह अगस्त-सितंबर 2025 में यहां नियुक्त हुई हैं और पुराने कार्यों की उन्हें पूरी जानकारी नहीं है। वहीं संबंधित ग्राम सचिव द्वारा भी अभी तक विभाग को कोई स्पष्ट रिपोर्ट नहीं दी गई है।

भ्रष्टाचार से गांव का विकास प्रभावित

ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम विकास निधि में हुई हेराफेरी से गांव का विकास कार्य प्रभावित हुआ है। उन्होंने प्रशासन से पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराकर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।सूत्रों के अनुसार शिकायत और सामने आए दस्तावेजों के आधार पर प्रशासनिक स्तर पर मामले की गंभीरता से जांच की तैयारी की जा रही है। यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो ग्राम प्रधान और संबंधित अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई हो सकती है।

भागवत-राम कथा के साथ 17 जोड़ों का होगा सामूहिक विवाह

कृपालपुर में विष्णु महायज्ञ कल से, शिव परिवार की होगी प्राण प्रतिष्ठा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जनपद के अकबरपुर क्षेत्र स्थित ग्राम कृपालपुर में एक बार फिर धर्म, आस्था और सामाजिक एकता का भव्य संगम देखने को मिलेगा। यहां पांचवें वर्ष आयोजित होने जा रहे एक कुंडीय महा विष्णु यज्ञ, श्रीमद्भागवत कथा एवं राम कथा का शुभारंभ शनिवार से होने जा रहा है, जो 15 मार्च तक चलेगा। यह भव्य धार्मिक आयोजन दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर, वार्ड नंबर 3 शिवाजी नगर, कृपालपुर में किया जाएगा।

आयोजकों के अनुसार इस बार कार्यक्रम को पहले से अधिक भव्य और ऐतिहासिक बनाने की तैयारी की गई है। यज्ञ और कथा के साथ-साथ समाज में एकता और सहयोग का संदेश देने के लिए 17 जोड़ों का सामूहिक विवाह भी कराया जाएगा।

इसके अलावा मंदिर परिसर में शिव परिवार की प्राण प्रतिष्ठा स्थापना भी पूरे वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न कराई जाएगी। कार्यक्रम के तहत 8 मार्च को भव्य कलश यात्रा और पूजन, 9 मार्च को अग्नि प्रज्ज्वलन, 14 मार्च को कथा विराम तथा 15 मार्च को सामूहिक विवाह और विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान दूर-दूर से आए श्रद्धालु, संत-महात्मा और धर्माचार्य इस धार्मिक महायज्ञ में भाग लेकर धर्म लाभ अर्जित करेंगे। 108 कमलेशदास जी महाराज, 108 चेतन दास महाराज, राम कथा वाचक पं. सुबोधदास चंचल महाराज, व्यास आचार्य नरेन्द्राचार्य जी यज्ञाचार्य पं अनिल तिवारी महाराज सहित कई प्रतिष्ठित संत और विद्वान कथावाचक अपनी उपस्थिति से भक्तों को धर्म, भक्ति और संस्कारों का संदेश देंगे।

भाई से झगड़कर 13 वर्षीय बहन ने लगाई फांसी

» रंग खेलने से मना करने पर 11 साल के भाई ने डंडे से मारा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात । रुरा में एक 13 साल की किशोरी ने गुरूवार शाम को होली खेलने को लेकर हुए अपने छोटे भाई से झगड़े के बाद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजन उसे तत्काल अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पिता ने पुलिस को सूचना दी। मामले की जानकारी पर पुलिस अस्पताल पहुंची। किशोरी के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

रूरा कस्बे के अम्बेडकर नगर निवासी कमलेश कुमार की 13 साल की बेटी अनन्या का शाम करीब 4 बजे अपने छोटे भाई अनूप के साथ झगड़ा हो गया। अनन्या ने भाई को बार-बार घर से अंदर-बाहर करने से मना किया। इसी बात को लेकर दोनों में विवाद हो गया। मामला इतना बढ़ गया कि भाई अनूप ने अनन्या पर डंडे से हमला कर दिया।

गुस्से में आकर किशोरी ने भी भाई को दो थप्पड मारे। दोनों ओर से हाथापाई शुरू हो गई। विवाद ज्यादा बढ़ता देख मां शिवकुमारी ने हस्तक्षेप किया। मां ने अनन्या को जोर से डांट दिया जिससे वह और आहत हो गई। कुछ देर बाद मां ने मामला शांत कराया। सब अपने अपने काम में व्यस्त हो गए।

इसके बाद शाम 6 बजे किशोरी ने कमरे में जाकर मां के दुपट्टे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। कमरा बंद देख मां ने दरवाजा खटखटाया पर अंदर से कोई आवाज नहीं आई। तो उन्होंने दरवाजा खुलवाया अंदर अनन्या का शव फंदे से लटक रहा था।

यह देख परिजनों में कोहराम मच गया। पिता ने आनन-फानन में शव को फंदे से उतारा और अस्पताल ले गए। जहां डॉ. सुनील कुमार ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पिता ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर रुरा चौकी प्रभारी विनोद कुमार मौके पर पहुंचे। उन्होंने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

दहेज की भेंट चढ़ा एक और पिता, अस्पताल में हुई मौत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बेटी के ससुराल वालों ने अंगूठी,बाइक के लिए रची थी साज़िश, फावड़े से किया था प्रहार

फर्रुखाबाद । दहेज के लोभियों ने बेटी की ससुराल आए पिता पर लाठी डंडे और फावड़े से सिर पर प्रहार करने चिथड़े उड़ गए द्य रिश्तों की मर्यादा को तार तार कर दिया ।

जब भाई अपनी बहन की ससुराल पहुंचा तो उसे अपने पिता की लाश उठानी पड़ी। जनपद एटा के अलीगंज क्षेत्र में हैवानियत ने एक बुजुर्ग पिता की जान ले ली। दहेज के लोभियों ने लाठी–डंडों और फावड़े के प्रहार से घायल पिता जिंदगी की

जंग हार गया ।मृतक सुरेंद्र सिंह के बेटे उपेंद्र यादव ने घटना सुनाई तो रोंगटे खड़े हो गए । उपेंद्र ने बताया कि एक साल पहले बहन की शादी बड़े अरमानों के साथ की थी। ससुराल वाले इंसान नहीं कसाई से भी बद्तर निकल, उसका आरोप है कि शादी के बाद सोने की अंगूठी, मोटरसाइकिल और एक लाख रुपए नकद की मांग को लेकर बहन को यातनाएं ससुराल वाले दे रहे थे । 19 फरवरी को बहन ने फोन पर कहा कि उसकी जान खतरे में है तो 20 फरवरी को जब पिता सुरेंद्र सिंह अपने भाई और बेटों के साथ बेटी को विदा कराने पिहुता (एटा) पहुंचे, तो वह लोग पहले से ही तैयार बैठे हुए थे बेटी के ससुराल पक्ष ने बातचीत के बहाने बुलाकर हमला किया है । उसका कहना है कि उन्होंने बात सुनने के बजाय फावड़े और डंडों से हमला बोल दिया जिससे पिता के सिर पर सीधा प्रहार करने से शरीर खून से लथपथ हो गए ।

फ़ितरा व ज़कात गरीबों,यतीमों व जरूरतमंदों का हक है

» हर साहिबे निसाब अपने माल का निकाले फितरा व दे ज़कात

» रमज़ान के तीसरे जुमे को जामा मस्जिदों में अदा की गई नमाज़

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

रसूलाबाद कानपुर देहात। रमजान का मुकद्दस महीना चल रहा है। रमजान के महीने में इबादतों का भी सिलसिला तेज है। रोज़े रखकर लोग रब की इबादत कर रहे हैं। वहीं रमजान के तीसरे जुमे को मस्जिदों में बड़ी संख्या में अकीदतमंद पहुंचे और जुमे की नमाज अदा करने के बाद कस्बा सहित पूरे मुल्क के अमन चैन की दुआएं मांगीं। मुक़द्दस माहे रमजान के तीसरे जुमे को कस्बे की

सबसे पुरानी जामा मस्जिद के पेश इमाम हाजी अब्दुल रऊफ खान ने जुमे की नमाज़ अदा कराई। दूसरे ज़कात जिस माल की निकल जाती है तो अल्लाह उसका मुहाफिज होता है। ज़कात आपकी दौलत का मैल है। फ़ितरा व ज़कात पर गरीब,यतीमों व जरूरतमंदों का हक़ है। फितरा 2 किलो 45 ग्राम गेहूं प्रति व्यक्ति के हिसाब से दिया जाना चाहिए। यदि कोई गेहूं नहीं दे सकता तो उसके एवज़ में प्रति व्यक्ति के हिसाब से रकम अदा कर सकता है। जिंदगी चंद रोज़ा है फितरा देने में कोताही न करें। रमजान का दूसरा असरा चल रहा है जो मग़फ़िरत का असरा है। इस महीने में खूब–खूब इबादत करें। वहीं रमजान के तीसरे जुमे को रसूलाबाद कस्बा सहित ग्रामीण क्षेत्र की जामा मस्जिदों में शांतिपूर्ण ढंग से जुमे की नमाज अदा की गई।

ई-रिक्शा चालक ने फांसी लगाकर दी जान, घर में कोहराम

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात माती । गजनेर थाना क्षेत्र के खनपना गांव में गुरुवार देर रात एक विकलांग ई–रिक्शा चालक ने घर के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह परिजनों की नजर पड़ते ही घर में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके पर जांच–पड़ताल की। आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है। मनेथू गांव के मजरा खनपना निवासी विजय नारायण (35)एक पैर से विकलांग था और ई–रिक्शा चलाता था। बताया जाता है कि गुरुवार रात परिवार के सभी सदस्य अपने कमरों में सोने चले गए। इसी दौरान विजय ने कमरे के अंदर पंखे के कुंडे के सहारे रस्सी से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। शुक्रवार सुबह परिजनों को पता चला। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। गजनेर थाना प्रभारी सूर्य प्रताप सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है।

समुद्र में फंसे 500 करोड़ के निर्यात ऑर्डर, 300 कंटेनर माल लदे जहाज बंदरगाहों में रुके

» 500–700 करोड़ का किया जाता है निर्यात

» यूरोप के देशों को जाने वाला माल रोक दिया गया

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। मध्य पूर्व युद्ध के कारण कानपुर का 500 करोड़ का निर्यात समुद्र के बीच फंस गया है और होर्मुज जलडमरू बंद होने से सप्लाई चेन टूट गई है। ईंधन महंगा होने और मालभाड़े में 20त्न तक की संभावित बढ़ोतरी ने निर्यातकों की चिंताएं बढ़ा दी हैं।

अमेरिका–इस्राइल और ईरान के बीच युद्ध बढ़ता जा रहा है। इसके चलते शहर के निर्यातकों के 500 करोड़ के निर्यात ऑर्डर बीच समुद्र में फंस गए हैं। होर्मुज जलडमरू मध्य बंद हो गया है। खाड़ी देशों के एयरपोर्ट बंद होने से

शिपिंग कंपनियां अन्य रूटों से कंटेनर ले जा रही हैं, लेकिन अलग–अलग देशों के बंदरगाहों पर जगह न होने और उन्हें जगह देने से मना किए जाने पर शिपिंग कंपनियों ने समुद्र के बीच में ही जहाज खड़े कर दिए हैं। निर्यातकों को कोई भी जानकारी नहीं दी जा रही है। किस रूट पर और कहां से माल ले जाएंगे, इस पर भी कुछ भी नहीं बताया जा रहा है।निर्यातकों से शिपिंग कंपनियां कह रही हैं कि वह कुछ भी बताने की स्थिति में नहीं है। इससे निर्यातक परेशान हो रहे हैं। अमेरिका–इस्राइल–ईरान युद्ध 28 फरवरी से शुरू हुआ था। होर्मुज जलडमरू मध्य बंद हो गया है। इससे कच्चे तेल के दाम 8.3 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं। आगे भी ये तेजी से बढ़ेंगे। इससे 15–20 प्रतिशत तक मालभाड़ा बढ़ना तय हो गया है। युद्ध लंबा से उत्पादन पर भी असर पड़ सकता है। गल्फ को–ऑपरेशन काउंसिल (जीसीसी) देशों में आपूर्ति लड़खड़ाने का डर भी हो गया है। दुबई में एयरपोर्ट बंद होने से यूरोप के बाजारों पर भी असर पड़ गया है।समुद्री मार्ग से जा रहा 300 कंटेनर माल नजदीक के देशों के बंदरगाहों में सुरक्षित स्थान खोज रहा है। संभावना है कि शिपिंग कंपनियां जल्द मालभाड़ा बढ़ा सकती हैं। इससे निर्यातकों को दोहरा झटका लग सकता है। अब तक करीब 300 करोड़ का नया निर्यात ऑर्डर रोक दिया गया है। खाड़ी देशों, इस्राइल और ईरान को अलग–अलग प्रकार के खाद्य पदार्थ, चमड़ा उत्पादों का निर्यात किया जाता है। युद्ध के चलते माल और भुगतान फंसने के डर से निर्यातकों ने नए ऑर्डर रोक दिए हैं। दुबई एयरपोर्ट बंद होने से सिंगापुर, यूरोप के देशों को जाने वाला माल रोक दिया गया है।जानकारों का कहना है कि युद्ध के कारण ईंधन महंगा हो गया है, जिससे मालभाड़ा भी 15–20 प्रतिशत तक बढ़ सकता है। शुरुआत में शिपिंग कंपनियां और निर्यातक समुद्री मार्ग के जरिये अलग–अलग देशों में जा रहे कंटेनरों की सुरक्षा पर जोर दे रही थीं लेकिन अब परिस्थितियां और बिगड़ गईं। गल्फ को–ऑपरेशन काउंसिल में बहरीन, कुवैत, कतर, ओमान, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं। इन देशों में अमेरिका के सैन्य अड्डे हैं। ईरान ने इन सभी जगहों पर मिसाइलें दागी हैं। शहर से इन सभी देशों को 500–700 करोड़ का निर्यात किया जाता है। इन सभी देशों में हालात बिगड़ रहे हैं।

करीब 300 कंटेनर समुद्री मार्ग से अलग–अलग देशों में जा रहे थे। उन्हें नजदीक के देशों के बंदरगाहों पर रोका जा रहा था लेकिन अब वहां से भी उन्हें हटाने के लिए शिपिंग कंपनियों को कहा गया है। सरकार ने निर्यातकों की समस्या समाधान के लिए टास्क फोर्स भी बनाई है।

हाईवे के ढाबे पर चाकू उठाकर युवक ने खुद का ही रेत लिया गला

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जिले में दिल्ली-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित एक ढाबे पर उस समय सनसनी फैल गई, जब एक युवक ने सबके सामने अपनी ही गर्दन काटकर आत्महत्या कर ली। यह पूरी घटना ढाबे में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसे देखकर लोग स्तब्ध रह गए। घटना हाईवे किनारे अठसेनी गांव के पास की है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को

दिल्ली से घर लौटते समय हापुड़ में ढाबे पर रुकी बस

कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, बृहस्पतिवार देर रात करीब 12 बजे हाईवे पर स्थित अठसेनी गांव के सामने एक ढाबे पर यात्रियों से भरी एक गाड़ी आकर रुकी थी।

यात्री सफर की थकान दूर करने और भोजन करने के लिए ढाबे के अंदर चले गए। इन्हीं यात्रियों के साथ 30 वर्षीय सलमान भी मौजूद था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक उस समय तक सब कुछ सामान्य था और लोग भोजन की तैयारी कर रहे थे।

टेबल से चाकू उठाकर युवक ने उठा लिया आत्मघाती कदम

इसी दौरान अचानक सलमान के व्यवहार में बदलाव आया और उसने टेबल पर रखा चाकू उठा लिया। सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि उसने अचानक अपनी ही गर्दन पर चाकू चला दिया और गला रेतते हुए ढाबे के अंदर से बाहर की ओर भागा।

कुछ ही क्षण में उसकी गर्दन से तेज खून बहने लगा और वह ढाबे के सामने जमीन पर गिर पड़ा।

आसपास मौजूद लोग जब तक कुछ समझ पाते और उसे बचाने की कोशिश करते, तब तक अत्यधिक खून बह जाने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई।घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। मृतक की पहचान बरेली जिले के थाना शाही क्षेत्र के दूना गांव निवासी सलमान (30) के रूप में हुई।

बताया जा रहा है कि वह दिल्ली में एक हेयर सैलून में काम करता था और उस रात बस से अपने गांव लौट रहा था।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बेटे की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। थाना प्रभारी के अनुसार ढाबे के सीसीटीवी फुटेज को कब्जे में लेकर जांच की जा रही है

और वहां मौजूद यात्रियों व कर्मचारियों से पूछताछ की जा रही है। ताकि आत्महत्या के पीछे के कारणों का पता लगाया जा सके।

अंतिम संस्कार के दौरान मधुमक्खियों का हमला, दो दर्जन ग्रामीण हुए घायल

खेत में शव रखते ही भड़का मधुमक्खियों का झुंड, जान बचाने को सरसों-गेहूं के खेतों में भागे लोग

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

उन्नाव। उन्नाव जिले के अजगैन कोतवाली क्षेत्र के अहिमाखेड़ा गांव में अंतिम संस्कार के दौरान मधुमक्खियों के अचानक हमले से अफरा-तफरी मच गई। हमले में करीब दो दर्जन ग्रामीण घायल हो गए। जान बचाने के लिए लोग खेतों और झाड़ियों की ओर भागते नजर आए। हालात ऐसे हो गए कि कुछ समय के लिए शव को भी वहीं छोड़ना पड़ा।गांव निवासी 65 वर्षीय सुंदर लाल की गुरुवार सुबह मौत हो गई थी। परिजन और ग्रामीण उनका अंतिम संस्कार करने के लिए शव को गांव के बाहर स्थित उनके खेत में लेकर पहुंचे थे। बताया गया कि शवयात्रा में लगभग 50 से 60 ग्रामीण शामिल थे। खेत के पास एक बाग में पेड़ पर मधुमक्खियों का बड़ा छत्ता लगा हुआ था। जैसे ही लोग अंतिम संस्कार की तैयारी करने लगे, अचानक मधुमक्खियों का झुंड निकल आया और वहां मौजूद लोगों पर हमला कर दिया।मधुमक्खियों के हमले से मौके पर भगदड़ मच गई। लोग खुद को बचाने के लिए सरसों और गेहूं के खेतों में भाग गए, जबकि कई लोग झाड़ियों में छिपकर बैठ गए। इसके बावजूद मधुमक्खियों के डंक से करीब दो दर्जन लोग घायल हो गए। सूचना मिलने पर एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायलों को नवाबगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने सभी का उपचार किया और आवश्यक दवाइयां दीं।

ग्रामीणों के अनुसार खेत के पास खिन्नी के पेड़ पर मधुमक्खियों का बड़ा छत्ता था। शव पहुंचने के दौरान किसी हलचल से मधुमक्खियां आक्रामक हो गईं और लोगों पर टूट पड़ीं। स्थिति सामान्य होने और मधुमक्खियों के शांत होने के बाद ग्रामीण दोबारा मौके पर पहुंचे, जिसके बाद सुंदर लाल का अंतिम संस्कार किया गया।

हमले में घायल करीब 20 लोग सीएचसी नवाबगंज पहुंचे, जबकि कुछ लोग निजी अस्पतालों में इलाज कराने गए। घायलों में राजू, सुजीत, रामकुमार, सुमेर, वीरेंद्र, केशनपाल, नरेंद्र, रामजी, बद्री, कन्हैया लाल, मिलन कुमार, राधेलाल, नोमीलाल, रघुवीर प्रसाद, वासुदेव और अवधेश कुमार समेत कई ग्रामीण शामिल हैं। इनमें से रामजी की हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

अगर गुनाह किया तो अदालत से सजा मिलनी चाहिए थी

» गाजियाबाद में यूट्यूबर, सलीम वास्तिक हमला मामले में दोनों आरोपी भाइयों की एनकाउंटर में मौत पर बोले पिता

»स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

गाजियाबाद. यूट्यूबर सलीम वास्तिक पर हुए जानलेवा हमले का मामला अब नया और संवेदनशील मोड़ ले चुका है। इस प्रकरण में आरोपी बताए जा रहे जीशान और उसके भाई गुलफाम पुलिस मुठभेड़ में मारे गए हैं। घटना के 48 घंटे के भीतर दोनों बेटों को खोने के बाद उनके पिता बुनियाद अली पहली बार मीडिया के सामने आए और पूरे मामले पर अपनी प्रतिक्रिया दी। बुनियाद अली ने कहा कि यदि उनके बेटों ने सच में सलीम वास्तिक पर हमला किया है तो यह उनका व्यक्तिगत जुनून या आवेश हो सकता है, लेकिन इसका परिवार या किसी संगठन से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अगर उन्हें पहले पता चल जाता कि उनके बेटे ऐसा कदम उठाने जा रहे हैं, तो वे खुद उन्हें रोकते और सबसे कड़ी सज़ा देते।

उन्होंने यह भी कहा कि उनके बेटों का किसी आतंकी या कट्टरपंथी संगठन से कोई संबंध नहीं था। हालांकि उन्होंने यह भी माना कि यदि पुलिस ने एनकाउंटर किया है तो संभव है कि पुलिस के पास इसके पीछे कुछ ठोस कारण या सबूत रहे हों।वहीं बुनियाद अली ने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर उनके बेटों ने अपराध किया था तो उन्हें जिंदा पकड़कर अदालत में पेश किया जाना चाहिए था, ताकि कानून के अनुसार उन्हें सज़ा मिलती।

उधर इस घटना के बाद प्रदेशभर में इस मुद्दे पर बहस तेज हो गई है। एक पक्ष जहां पुलिस की कार्रवाई को कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जरूरी बता रहा है, वहीं दूसरा पक्ष आरोपियों को न्यायिक प्रक्रिया के तहत अदालत में पेश करने की बात कह रहा है।गौरतलब है कि कुछ दिन पहले गाजियाबाद के लोनी क्षेत्र में यूट्यूबर सलीम वास्तिक पर उनके कार्यालय में घुसकर हमला किया गया था। हमलावरों ने धारदार हथियार से उनके गले और पेट पर कई वार किए थे, जिसके बाद उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए संदिग्ध आरोपियों की तलाश शुरू की थी।फिलहाल इस पूरे प्रकरण को लेकर पुलिस की कार्रवाई, कानून व्यवस्था और न्यायिक प्रक्रिया को लेकर अलग-अलग स्तर पर चर्चा जारी है। मामले की आधिकारिक जांच और पुलिस के विस्तृत बयान का इंतजार किया जा रहा है।

दलितों के आशियाने पर बुलडोजर की सियासत!

पूर्व विधायक पर आंगनबाड़ी के नाम पर उत्पीड़न का खेल रचने का आरोप

कलंक हैं पूर्व विधायक गोरखनाथ बाबा : मंजू पासी

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। मिल्कीपुर तहसील क्षेत्र के पूरा उर्फ सुमेरपुर गांव में आंगनबाड़ी भवन निर्माण अब जनकल्याण नहीं, बल्कि दलित उत्पीड़न का हथियार बनता जा रहा है।

जिस भूमि पर पचासों वर्षों से दलित परिवार बसे हैं, उसी पर जबरन निर्माण का प्रस्ताव पास कराकर ग्राम प्रधान ने गांव में तनाव फैला दिया है। मामले की पीड़ित मंजू पासी का कहना है कि पूर्व विधायक गोरखनाथ बाबा पासी के नाम पर कलंक है। अपनी ही बिरादरी के पूर्व विधायक के प्रति ग्रामीणों का साफ कहना है कि अगर वह भविष्य में कोई चुनाव लड़ेंगे तो पासी समाज उन्हें उनकी हैसियत बता देगा।

ग्रामीणों का आरोप है कि सीलिंग की विवादित भूमि पर वर्षों से उनके पूर्वज रहते आए हैं। बावजूद इसके, प्रशासनिक नियमों को ताक पर रखकर निर्माण की तैयारी की जा रही है। महिलाओं और बुजुर्गों ने रो-रोकर अपनी पीड़ा जाहिर की और न्याय की गुहार लगाई।वायरल ऑडियो और बयानबाजी से साफ है कि मामले को जानबूझकर राजनीतिक रंग दिया जा रहा है। ग्रामीणों ने पूर्व विधायक और ग्राम प्रधान पर मिलीभगत का आरोप लगाया है। अब देखना है कि प्रशासन पीड़ितों के साथ खड़ा होता है या सियासत के आगे झुक जाता है।

26 मार्च को दिखेगा सूर्य किरणों से रामलला का दिव्य अभिषेक

» बिना बिजली के होगा चमत्कार, दर्पण-लेंस से पहुंचेगी सूर्य रोशनी

» 10 साल तक सीबीआरआई संभालेगा तकनीकी जिम्मेदारी, परंपरा होगी सुरक्षित

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। भव्य राम मंदिर अयोध्या में विज्ञान और अध्यात्म का ऐसा अनुपम मेल देखने को मिल रहा है, जो आने वाले वर्षों तक दुनिया को चकित करता रहेगा। सीबीआरआई के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित तकनीक से अब हर वर्ष रामनवमी पर रामलला का सूर्य तिलक स्वयं सूर्य देव करेंगे। इसे स्थायी बनाने के लिए तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट सीबीआरआई के साथ अगले 10 वर्षों का अनुबंध किया है।

क्या है 'सूर्य तिलक' तकनीक?

यह कोई सामान्य प्रकाश व्यवस्था नहीं, बल्कि एक अत्याधुनिक ऑप्टो-मैकेनिकल सिस्टम है। मंदिर की तीसरी मंजिल पर विशेष दर्पण और लेंस लगाए गए हैं, जिनमें बिजली या बैटरी का प्रयोग नहीं होता। सूर्य की किरणें पाइप और लेंस के माध्यम से परावर्तित होकर सीधे गर्भगृह में रामलला के मस्तक तक पहुंचती हैं। वैज्ञानिक गणना के हर साल रामनवमी पर ठीक दोपहर 12 बजे यह दिव्य दृश्य साकार होता है।

सिस्टम को ट्यून करना आवश्यक

हर वर्ष सूर्य की स्थिति और पंचांग में बदलाव के कारण सिस्टम को ट्यून करना आवश्यक होता है। सीबीआरआई की टीम हर रामनवमी से पहले निरीक्षण और परीक्षण करेगी, ताकि किसी तकनीकी बाधा से यह परंपरा प्रभावित न हो।

बता दे के इस वर्ष 26 मार्च 2026 को रामनवमी पर दोपहर 12 बजे लगभग 3 से 4 मिनट तक रामलला का मस्तक सूर्य किरणों से प्रकाशित रहेगा। भक्तों के लिए गर्व का क्षण यह व्यवस्था दर्शाती है कि भारतीय वैज्ञानिक किस तरह प्राचीन आस्था को आधुनिक विज्ञान से जोड़कर जीवंत बना रहे हैं। सूर्यवंश में जन्मे प्रभु श्रीराम का कलियुग में सूर्य देव द्वारा तिलक होना, श्रद्धा और तकनीक का अद्भुत संगम है।

अयोध्या एयरपोर्ट की दीवार फांद रहा युवक गिरफ्तार

जांच में सामने नही आई कोई संदिग्ध गतिविधि, बगल के गांव का रहने वाला है युवक

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट फांदकर अंदर कूदने का प्रयास करते हुए एक युवक को सुरक्षाबलों ने दबोच लिया। सीआईएसएफ के उप निरीक्षक ने आरोपी के खिलाफ नगर कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है। हालांकि, प्रारंभिक जांच में कोई संदिग्ध गतिविधि सामने नहीं आई है।

उप निरीक्षक रविंद्र सिंह ने बताया कि बुधवार को प्रथम पाली में सुबह छह से दोपहर एक बजे तक उनकी ड्यूटी वाच टॉवर संख्या पांच पर थी। वह अपने एरिया में पैदल गश्त कर रहे थे। सुबह लगभग 11:30 बजे पिलर संख्या 1330 के बाहर की ओर से एक व्यक्ति एयरपोर्ट की दीवार पर चढ़ने की कोशिश कर रहा था। उन्होंने आवाज लगाकर युवक को बाहर जाने के लिए कहा, लेकिन वह एयरपोर्ट के अंदर ही अवैध तरह से कूदने की कोशिश करने लगा। इस दौरान वह एयरपोर्ट की ओर दीवार पर लगे तार में लटक गया। युवक की पहचान बगल के ही राजा बोध का पुरवा निवासी रोहित के रूप में हुई। कोतवाल अश्विनी पांडेय ने बताया कि आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। अब तक की जांच में पता चला कि युवक बगल के गांव का ही रहने वाला है। एयरपोर्ट के आसपास के उन लोगों की जमीन हैं। कोई संदिग्ध गतिविधि नहीं पता चली है। मामले की जांच की जा रही है।

आबूधाबी से सकुशल लौटे अयोध्या के महंत देवेंद्र प्रसादाचार्य

खाड़ी संकट के बीच एक सप्ताह तक अटकी रही सांसें

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्याधाम।खाड़ी क्षेत्र में उपजे युद्ध संकट के बीच एक सप्ताह तक फंसे रहने के बाद दशरथ महल के महंत देवेंद्रप्रसादाचार्य महाराज सकुशल अयोध्या लौट आए हैं। उनकी सुरक्षित वापसी से संत समाज और श्रद्धालुओं में राहत व उत्साह का माहौल है।

महाराज 27 फरवरी को अबूधाबी स्थित स्वामी नारायण मंदिर आबूधाबी के दर्शन हेतु गए थे। इसी दौरान ईरान-इजरायल संघर्ष के चलते खाड़ी क्षेत्र में हालात बिगड़ गए और हवाई सेवाएं अस्थायी रूप से बंद कर दी गईं। इसके कारण उनकी 2 मार्च की वापसी संभव नहीं हो सकी। महाराज की कुशलता को लेकर अयोध्या समेत देशभर में चिंता व्याप्त रही। कई स्थानों पर हवन, पूजन और यज्ञ कर उनकी सुरक्षित वापसी की कामना की गई।

हालात सामान्य होने पर 4 मार्च को उड़ान सेवाएं बहाल हुईं और वे भारत लौट सके। शुक्रवार सुबह महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट पर उनके आगमन पर पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह सहित संतों व भक्तों ने फूल-मालाओं से स्वागत किया। स्वागत समारोह में रसिक पीठ के आचार्य, श्रृंगी ऋषि आश्रम के पीठाधीश्वर सहित अनेक संत-महंत उपस्थित रहे। महाराज की सकुशल वापसी को आस्था और विश्वास की जीत के रूप में देखा जा रहा है।

होली की मस्ती बनी मौत का जाल घाघरा में डूबे दो किशोर

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। रंगों के त्योहार होली की खुशियां उस वक्त मातम में बदल गईं, जब घाघरा नदी में नहाने गए पांच किशोरों में से दो की डूबकर दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक की लहर फैल गई।जानकारी के मुताबिक सुमित (15), राज (16), ऋषभ (17), अनूप (15) और विशाल (16) होली खेलने के बाद घाघरा नदी में स्नान करने पहुंचे थे। मस्ती के बीच अचानक सभी किशोर नदी के गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। चीख-पुकार सुनकर आसपास मौजूद ग्रामीण तुरंत नदी में कूद पड़े और तीन किशोरों–ऋषभ, अनूप और विशाल–को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, लेकिन सुमित और राज गहरे पानी में बह गए। ग्रामीणों और स्थानीय गोताखोरों की मदद से घंटों चले तलाश अभियान के बाद बुधवार को दोनों किशोरों के शव नदी से बरामद किए गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस दर्दनाक हादसे के बाद दोनों परिवारों में कोहराम मचा हुआ है, जबकि गांव में मातमी सन्नाटा पसरा है।

अब ईरान का सख्त रुख युद्धविराम से इनकार

अमेरिका से बातचीत से भी किया इंकार, इजरायल-लेबनान में हमले तेज

स्वराज इंडिया ब्यूरो

नई दिल्ली। मध्य पूर्व में जारी युद्ध ने अब एक और खतरनाक मोड़ ले लिया है। अमेरिका और इजरायल के साथ बढ़ते सैन्य टकराव के बीच ईरान ने साफ कर दिया है कि वह फिलहाल न तो युद्धविराम चाहता है और न ही अमेरिका के साथ किसी तरह की बातचीत करेगा। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने सख्त बयान देते हुए कहा कि इस्लामिक गणराज्य पर हमले जारी हैं और ऐसे हालात में बातचीत का कोई औचित्य नहीं बनता।

एक साक्षात्कार में अराघची ने कहा कि अतीत में भी दो बार कूटनीतिक बातचीत की कोशिश की गई थी, लेकिन हर बार बातचीत की पहल के बाद सैन्य कार्रवाई कर दी गई। उन्होंने कहा कि जब तक हमले बंद नहीं होते, तब तक बातचीत की कोई संभावना नहीं है। रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने की संभावना पर उन्होंने कहा कि फिलहाल ऐसा कोई फैसला नहीं लिया गया है, लेकिन यदि युद्ध लंबा चलता है तो सभी विकल्प खुले रहेंगे। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे अहम समुद्री मार्गों में से एक माना जाता है, जहां से वैश्विक तेल आपूर्ति का बड़ा हिस्सा गुजरता है।

ईरान ने यह भी आरोप लगाया है कि हिंद महासागर में उसके युद्धपोत आईआरआईएस दाना पर अमेरिकी टॉरपीडो हमला किया गया, जिसमें कम से कम 87 ईरानी सैनिक मारे गए। इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए अराघची ने चेतावनी दी कि अमेरिका को अपने इस कदम का "भारी परिणाम" भुगतना पड़ेगा। दूसरी ओर ईरान ने भी अमेरिकी और इजरायली ठिकानों पर हमले तेज कर दिए हैं। ईरानी मीडिया के मुताबिक कई

➪ अजरबैजान के साथ भी बढ़ा तनाव, डिजिटल मुद्रा से आर्थिक दबाव का जवाब

अमेरिकी सैन्य अड्डों को मिसाइल और ड्रोन से निशाना बनाया गया है। इसके जवाब में इजरायल ने भी बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई शुरू कर दी है।

इजरायली सेना ने दावा किया है कि पिछले 24 घंटों में लेबनान में ईरान समर्थित संगठन हिजबुल्ला के 80 से अधिक ठिकानों पर हवाई हमले किए गए हैं। इन हमलों में बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च साइट, हथियार भंडार और सैन्य ढांचे को निशाना बनाया गया। इस संघर्ष का असर अब पूरे क्षेत्र में दिखाई देने लगा है। अब तक की रिपोर्टों के अनुसार ईरान में एक हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि लेबनान में 70 से अधिक और इजरायल में करीब 12 लोगों के मारे जाने की खबर है। लगातार हो रहे हमलों से पश्चिम एशिया के कई शहरों में दहशत का माहौल है। युद्ध के कारण अंतरराष्ट्रीय नौवहन भी प्रभावित हुआ है और खाड़ी क्षेत्र में कई व्यापारिक जहाजों की आवाजाही बाधित हुई है। हजारों यात्री अलग-अलग देशों में फंसे हुए हैं। इस बीच ईरान को एक और मोर्चे पर चुनौती मिलती दिखाई दे रही है। पड़ोसी देश अजरबैजान ने आरोप लगाया है कि ईरान की ओर से भेजे गए ड्रोन उसके क्षेत्र में गिरे हैं, जिससे नागरिक ठिकानों को नुकसान पहुंचा है। अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव ने इस घटना को गंभीर बताते हुए सेना को जवाबी कार्रवाई के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया है।

इसी बीच विशेषज्ञों ने एक और महत्वपूर्ण पहलू की ओर ध्यान दिलाया है। उनका कहना है कि कड़े अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के बावजूद ईरान जिस तरह युद्ध जारी रख पा रहा है, उसके पीछे डिजिटल मुद्रा का बड़ा योगदान है। रिपोर्टों के अनुसार ईरान बड़े पैमाने पर क्रिप्टोकरेंसी की माइनिंग कर रहा है और उसी के जरिए अंतरराष्ट्रीय भुगतान कर रहा है। बताया जाता है कि ईरान बहुत कम लागत में डिजिटल मुद्रा तैयार करता है, जबकि वैश्विक बाजार में उसकी कीमत कई गुना अधिक होती है। इसी अंतर से उसे आर्थिक लाभ मिलता है और वही धन विदेशों से मशीनरी, ईंधन और सैन्य उपकरण खरीदने में इस्तेमाल किया जाता है। वर्ष 2019 में ईरान ने डिजिटल मुद्रा की माइनिंग को कानूनी मान्यता दी थी, जो अब प्रतिबंधों से बचने का महत्वपूर्ण साधन बन गई है। विश्लेषकों का मानना है कि यदि यह युद्ध लंबा चला तो इसका असर केवल मध्य पूर्व तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था पर भी गहरा प्रभाव पड़ सकता है।

हम भारतीय नौसेना के मेहमान थे...

हिंद महासागर में ईरानी युद्धपोत पर हमले को लेकर भड़के विदेश मंत्री, अमेरिका पर लगाया विश्वासघात का आरोप

स्वराज इंडिया ब्यूरो

नई दिल्ली। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने हिंद महासागर में ईरानी युद्धपोत पर हुए हमले को लेकर अमेरिका पर तीखा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि ईरानी नौसेना का युद्धपोत आईआरआईएस दाना भारतीय नौसेना के निमंत्रण पर हुए नौसैनिक अभ्यास से लौट रहा था और उस पर बिना किसी चेतावनी के हमला किया गया।

अराघची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखे अपने संदेश में कहा कि यह जहाज़ भारत की नौसेना का मेहमान था और उस पर करीब 130 नाविक सवार थे। उनके अनुसार जहाज़ अंतरराष्ट्रीय समुद्री क्षेत्र में था और उस पर अचानक हमला किया गया। उन्होंने इस घटना को ÷समुद्र में किया गया जघन्य अपराध÷ बताया और कहा कि अमेरिका को इसके परिणाम भुगतने पड़ेंगे।

रिपोर्टों के मुताबिक यह युद्धपोत भारत में आयोजित अंतरराष्ट्रीय नौसैनिक अभ्यास में भाग लेने के बाद वापस ईरान लौट रहा था। इसी दौरान हिंद महासागर में श्रीलंका के दक्षिणी तट के पास अमेरिकी पनडुब्बी से दागे गए टॉरपीडो से इसे निशाना बनाया गया। इस हमले में कई नाविकों के मारे जाने और कई के लापता होने की खबर है, जबकि कुछ लोगों को बचा लिया गया। ईरानी विदेश मंत्री ने कहा कि यह घटना ईरान के तट से लगभग दो हजार मील दूर हुई और जहाज़ को बिना किसी चेतावनी के निशाना बनाया गया। उन्होंने अमेरिका पर अंतरराष्ट्रीय नियमों की अवहेलना करने का आरोप लगाया और कहा कि यह केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं बल्कि विश्वासघात का उदाहरण है।

उन्होंने अपने बयान में कहा कि जहाज़ पर सवार नाविक केवल अपने देश लौट रहे थे और इस तरह की कार्रवाई से क्षेत्र में तनाव और बढ़ेगा। अराघची ने चेतावनी देते हुए कहा कि अमेरिका ने जो कदम उठाया है, उसके परिणाम उसे ÷कड़वे रूप में भुगतने पड़ सकते हैं।÷ उधर इस घटना के बाद क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है। समुद्री मार्गों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई जा रही है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस घटना को लेकर अलग-अलग प्रतिक्रियाएँ सामने आ रही हैं, जबकि कई देशों ने संयम बरतने की अपील की है। फिलहाल इस मामले में भारत की ओर से आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, जबकि समुद्री क्षेत्र में राहत और बचाव अभियान चलाया गया। विशेषज्ञों का मानना है कि इस घटना से पश्चिम एशिया और हिंद महासागर क्षेत्र में पहले से चल रहे तनाव और गहरा सकते हैं।

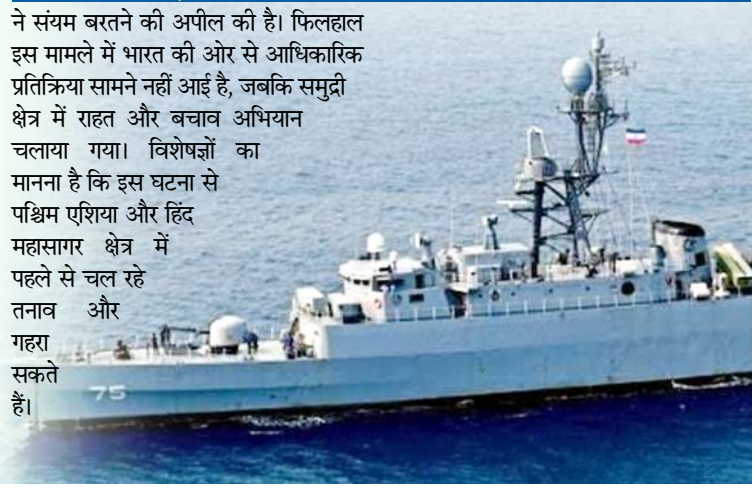

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **सपना देवी** द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक: अनूप कुमार** **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 ❍ **Email:** swarajindia2023@gmail.com ❍ Mob: 7800009853, ❍ **Website:** www.swarajindianews.com ❍ (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे) **प्रधान संपादक: पुरुषोत्तम द्विवेदी**

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com